आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 279 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 23 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर

श्री सिद्धि विनायक

अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध

हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम

हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता

MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology

परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

स्नेह सरोकार नाम से चलीं थी योजना, शुरुआत में अफसरों, समाजसेवियों व जनसेवकों ने दिखाई सक्रियता, अब...

कुपोषितों को गोद लेने में रुचि नहीं..!

महिला एवं बाल विकास विभाग का कहना–आज ही आ जाएं तो हम अभी करें गोद लेने की प्रक्रिया पूर्ण

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राज्य सरकार द्वारा कुपोषित बच्चों को अच्छा पोषण मिलने की गरज से स्नेह सरोकार योजना चलाई थी। शुरुआत में अपने आपको महिमामंडित करने के लिए प्रभावशाली लोगों ने बच्चों को गोद लेने की सक्रियता दिखाई, लेकिन समय के साथ सभी प्रभावशाली लोग निष्क्रिय साबित होते रहे। कुपोषितों को गोद लेने में अब न अफसरों में रूचि दिखाई दे रही है वरन् जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी इस सामाजिक सरोकार रखने वाली योजना से दूर हो गए हैं। सरकार द्वारा चलाई गई इस महती योजना का अफसर, जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से कारगर साबित नहीं हो पा रही है। हालत यह है कि वर्तमान में शहर सहित जिले में कुपोषितों की संख्या भी हजारों में है। ऐसे में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग ही अपने तय कुपोषितों को पोषित करने में लगा है, लेकिन कुपोषितों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। कुल मिलाकर जनभागीदारी वाली इस योजना को साकार करने की बजाय योजना को मूर्त रूप देने वाले ही पीछे हट गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि जनसहयोग वाली योजना थी। आज भी अगर कोई आए तो हम कुपोषित बच्चों को गोद देने की प्रक्रिया पूर्ण कर दें।

यूं तो एनजीओ, समाजसेवी बनने और अच्छे नौकरशाह व जनप्रतिनिधि होने का रूआब सब दिखाते हैं, लेकिन जनभागीदारी से चलाई गई सरकार की स्नेह सरोकार योजना में रूचि दिखाई वाला भी कोई नहीं है। राज्य शासन की यह योजना बहुत अच्छी थी, यदि लोग रूचि दिखाते तो आज कुपोषितों की संख्या भी कम होती । हालांकि, इस योजना में किसी को कोई प्रेशर नहीं डाला जा सकता है। लोग अपने विवेक से योजना के तहत बच्चों को गोद ले सकते थे। इस तरह आज भी महिला एवं बाल विकास विभाग को कुपोषितों को गोद लेने वालों का इंतजार है।

अतिकुपोषितों की बड़े अस्पताल में हो रही देखभाल–बता दें कि जिन बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अतिकुपोषित की श्रेणी में लाया जाता है । उनके नाम चिन्हित कर स्वास्थ्य विभाग को सुपुर्द किया जाता है। बड़े अस्पताल में कुपोषित बच्चों का केंद्र बना हुआ है। यहां एक वार्ड भी अलग से है। जहां कुपोषित बच्चे पोषण लेने संबंधी इलाजरत हैं । बताया गया है कि महिला एवं बाल विकास विभाग जितने बच्चों को अतिकुपोषित की श्रेणी में लाया जाता है, उसमें से अस्पताल में आधे ही चिन्हित होते हैं। स्वास्थ्य विभाग का भी अपना मापदंड है, उसी मापदंड पर खरे उतरने पर ही उन बच्चों को भर्ती किया जाता है। ऐसे में बाकी अतिकुपोषितों को गोद लेने की जिम्मेदारी निभाई जानी चाहिए, लेकिन कम संख्या वाले अतिकुपोषित बच्चों की देखभाल करने या गोद लेने में कोई भी अमीर आगे नहीं आ रहा है।

गरीबों के बच्चों को गोद लेने में अमीरों की लापरवाही उजागर–बता दें कि कुपोषित बच्चे अधिकांश गरीब वर्ग से ही होते हैं । कुपोषण में भी 5 वर्ष तक के बच्चे को चिन्हांकित किया जाता है। सरकारी तंत्र से इनकी देखभाल जरूर होती है, लेकिन स्नेह सरोकार योजना के तहत इसकी जिम्मेदारी की गेंद सरकार व शासन ने अफसरों, जनप्रतिनिधियों व समाज सेवकों के पाले में डाली थी। गरीब माता-पिता अपने बच्चों को पौष्टिक आहार कराने में अक्षम है। शुरुआत में उन्हें लगा था कि अमीर लोग हमारी सुध ले रहे हैं। लेकिन, समय के साथ अमीरों की लापरवाही उजागर हो गई है। अमीरों ने इस संबंध में सोचना छोड़ दिया है।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर जाकर चयनित किया जाता है कुपोषित–बता दें कि कुपोषित बच्चे का चयन आंगनवाड़ी केंद्रों में होता है। केंद्रों पर समय-समय पर बच्चों का वजन किया जाता है, जिस बच्चे का वजन मापदंड से कम है, उसे ही कुपोषित माना जाता है। सरकार द्वारा आंगनवाड़ियों के माध्यम से कुपोषित बच्चों की देखभाल की जा रही है। लेकिन, सरकार की इस योजना में न तो अफसर और न ही जनप्रतिनिधि तथा न ही समाजसेवक ध्यान दे रहे हैं। जबकि समाजसेवा... **शेष पेज 4 पर**

29, 5, 12 अगस्त के बाद 19 अगस्त को रहेगा अंतिम पांचवां सोमवार...

सावन सोमवार को शिवमय हुआ मंदसौर

पशुपतिनाथ मंदिर सहित सभी शिवमंदिरों में रहा भक्तों का तांता

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन महीने की शुरुआत सोमवार से हो गई। सावन के पहले सोमवार को शहर के शिवालयों में हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही। वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। साथ ही अंचल के सभी प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। विश्वप्रसिद्ध और आस्था के प्रमुख केंद्र भगवान पशुपतिनाथजी महादेव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की कतार लगी हुई नजर आई। यह सिलसिला दिनभर चला। रात तक एक लाख भक्तों के दर्शन करने का अनुमान था। इसके अलावा नीलकंठेश्वर महादेव, जलेश्वर महादेव, भानपुरा के बड़ा महादेव छोटा महादेव सहित जिलेभर के शिवमंदिरों में अभिषेक और पूजा पाठ का दौर चलता रहा।

बाबा पशुपतिनाथजी ने पहनी पगड़ी–अष्मी भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की खासी भीड नजर आई। सुबह भगवान की मंगला आरती के बाद से ही दर्शनार्थियों के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा पशुपतिनाथजी के दर्शन किए। पहले सोमवार पर सुबह महादेव का दूध, दही, शहद, पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया।इसके बाद अष्मुखी महादेव का फूलों से विशेष नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। वहीं बाबा पशुपतिनाथजी को खूबसूरत पगड़ी पहनाई गई। आज दिन भर मंदिर में कई आयोजन होंगे। वहीं जिले में बारिश के लिए विशेष प्रार्थना भी मंदिर में की जा रही है।मंदिर पुजारी कैलाश भट्ट ने बताया कि बाबा पशुपतिनाथ को दूध, दही, धतूरा फूल अर्पण कर जिले में प्रचुर बारिश की कामना की जा रही है। वहीं दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। इस सावन महीने में पांच सोमवार आ रहे हैं। भक्तों को सुलभ दर्शन हो इसके लिए मंदिर समिति ने विशेष व्यवस्था की है।

दूध, दही, गंगाजल चढ़ाएं–पंडित राधेश्याम शास्त्री ने कहा कि सावन महीने में भगवान शिवजी की पूजा से मनवांछित फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि इस महीने में भगवान भोले शंकर को दूध, दही, घी, मक्खन, गंगाजल, विल्ब पत्र, आक, धतूरा आदि चढ़ाना चाहिए, क्योंकि इस माह में भगवान भोले नाथ की सच्चे मन से .... **शेष पेज 4 पर**

एक दिन का रिमांड लिया, आज पेश करेंगे, पूछताछ जारी...

4 किलो 500 ग्राम अफीम के साथ पकड़ाया राजस्थानी युवक

सीतामऊ, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ थाना पुलिस ने रविवार रात्रि में मुखबीर सूचना पर एक कार सवार आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से चार किलो 500 ग्राम अफीम बरामद की है। आरोपी चमचमाती कार में सवार था, जिसने कार की स्कीम में अफीम छिपाकर रखी थी। मुखबीर सूचना के आधार पर स्कीम को पेचकस से खोला गया, जिसमें अफीम मिली।

सीतामऊ थाना निरीक्षक मोहन मालवीय एवं साताखेड़ी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शुभम व्यास की टीम ने मुखबीर सूचना पर सूरखेड़ा–सीतामऊ रोड पर घेराबंदी की। यहां स्टोन क्रेशर प्लांट के निकट कार आती हुई दिखी। रेनी ट्रीबर कार में सवार व्यक्ति को उतारा गया, जिसने अपना नाम संजय पिता शांतिलाल जैन 36 वर्ष निवासी साकरड़ा थाना मरकाड़ा हालमुकाम आमेट थाना आमेट जिला राजसमंद राजस्थान बताया। वह कार क्रमांक आरजे 03 जेए 4678 में ... **शेष पेज 4 पर**

प्रतिमा पर आई दरार का फोटो हुआ वायरल, पूर्व विधायक ने सीएम से एक्सपर्ट भेजने की मांग की...

एक बार फिर गरमाया पशुपतिनाथ मूर्ति क्षरण मामला

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन के पहले सोमवार को पशुपतिनाथ मंदिर में भोलेनाथक की अद्वितीय प्रतिमा के क्षरण का मामला एक बार फिर गरमाया है। सोशल मीडिया पर प्रतिमा पर चल रही दरार का फोटो वायरल हुआ। इधर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सीएम से एक्सपर्ट भेजने की मांग की। इधर मंदिर प्रबंध समिति ने कहा कि सालों से यह दरार यथावत है।

मंदिर प्रबंधन ने कहा- सालों से इसी तरह से यथावत है दरार

मंदसौर में विराजमान भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा में कई दरार आ गई हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह आज से नहीं बल्कि वर्षों से धीरे-धीरे हो रहा है। बताया जाता है कि यह प्रतिमा ढाई हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है।पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने सोमवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट किया। लिखा कि श्रद्धा, भक्ति और आस्था का केंद्र 'भगवान पशुपतिनाथ महादेव की दिव्य एवं नयनाभिराम अष्मूर्ति प्रतिमा दशपुर की नगरी मंदसौर में विराजित है। आशंका जताई जा रही है और संभावनाएं बताई जा रही है कि प्रतिमा के मुख पर दरार पड़ रही है, यदि ऐसा है तो तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बनाकर, जानकारों से सलाह लेकर प्रतिमा के क्षरण को रोका जाए। उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और भारत सरकार के पुरातत्व विभाग को टैग कर आवश्यक दिशा निर्देश एवं उचित कारवाई करने के लिए आग्रह किया है।

बोले- ऐसी प्रतिमा हिंदुस्तान में ही नहीं विश्व में भी कहीं नहीं–पूर्व विधायक सिसौदिया ने बताया कि विषय की गंभीरता थी। आज सावन का पहला सोमवार है। सुबह मेरे पास सोशल मीडिया पर फोटोग्राफ्स जिसमें पशुपति नाथजी के सिर से गाल तक दरार दिखाई दे रही थी। जनप्रतिनिधि के नाते मेरा दायित्व बनता था। मैंने इसे एक्स साईट पर पोस्ट किया। मुख्यमंत्री, कलेक्टर को टैग कर मांग की है कि सरकार के आर्कियोलाजी विभाग की विषय विशेषज्ञों की टीम आकर इस क्षरण को रोक सके। उन्होंने कहा कि मैंने विधायक रहते हुए पशुपतिनाथजी मंदिर में केमिकल और लैप लेकर जाने वाले लोगों के प्रवेश पर रोक लगवाई थी। इसमें सभी ने मेरा साथ दिया था। आज भयावह दृश्य दिखाई दिया है, दरारें दिखी हैं तो हम विषय विशेषज्ञों की मदद लेंगे, क्योंकि ऐसी प्रतिमा... **शेष पेज 4 पर**

राहत: फोटो खिंचाने आओ, बन जाएगा परमानेंट लाइसेंस

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने देशभर में आरटीओ सेवाओं को ऑनलाइन करना शुरू कर दिया है। लोग अब घर बैठे आवेदन की सुविधा के साथ सरलता से वाहन के रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं। अब पक्के लाइसेंस को भी सरल करने की कवायद शुरू हो गई है।डेढ़ साल पहले लर्निंग लाइसेंस के लिए आरटीओ कार्यालय जाना पड़ता था, लेकिन अब घर बैठे लाइसेंस बन जाता है। वाहन रजिस्ट्रेशन भी आरटीओ के बजाय डीलर पाइंट से होता है। वीआइपी नंबर का आवेदन भी ऑनलाइन हो जाता है। कार्यालय के बजाय निजी फिटनेस सेंटर से फिटनेस की सुविधा कुछ दिन पहले शुरू हुई है।

सबकुछ होगा ऑनलाइन

ऑनलाइन आवेदन होने के बाद सेंटर पर गाड़ी की जांच होती है। वाहन के आवेदन वाहन पोर्टल और लाइसेंस की प्रक्रिया सारथी पोर्टल से होती है। लर्निंग लाइसेंस की तरह अब पक्के लाइसेंस की प्रक्रिया सरल होने जा रही है। आरटीओ में ट्रायल की झंझट खत्म होगी। अधिकृत ट्रेनिंग सेंटर के सर्टिफिकेट पर लाइसेंस बनेगा। कार्यालय में केवल फोटो के लिए आना होगा।

करोड़ों खर्च के बाद भी शहरवासी पेयजल के लिए तरसे...

कालाभाटा-रामघाट सूखा है, चंबल नहीं?

चम्बल योजना में 52 करोड़ खर्च करने के बाद भी दो दिन छोड़कर पानी वितरित

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। चंबल का पानी शहर की प्यास बुझा रहा है। चंबल का पानी आने से जलसंकट नहीं होगा। चंबल का पानी घर-घर पहुंच रहा है। शानदार और जानदार जनप्रतिधियों के दावों ने दम तोड़ दिया। जवाबदारों ने फिर से पलटी मारी और कहा कि रामघाट-कालाभाट सूख गए है। इसलिए दो दिन छोड़कर जल सप्लाय होगी। प्रश्न यह उठता है कि रामघाट-कालाभाट बांध में पानी नहीं है। चंबल में पानी पर्याप्त है। मतलब चंबल का पानी शहर तक नहीं लाया जा सकता। हम सिर्फ शिवना पर ही निर्भर है। कुल मिलाकर 52 करोड़ रुपए चंबल योजना के नाम पर सिर्फ बर्बाद किए गए।

आखिर जा कहा रहा चंबल का पानी–बता दें कि पूर्व में दावों के अनुसार चंबल से प्रतिदिन 18 एमएलडी पानी आ रहा है तो फिर वह पानी कहां जा रहा है जबकि शहर में पेयजल सप्लाय में नपा अधिक मात्रा में शिवना का ही पानी उपयोग कर रही है। यहीं कारण है कि कुछ ही माह में दस बार नपा कालाभाटा बांध के चार बार गेट खोलकर पानी को रामघाट बैराज ला चुकी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि चंबल से प्रतिदिन 18 एमएलडी पानी आ रहा है तो फिर वह पानी कहां जा रहा है। जबकि शहर में प्रतिदिन 32 एमएलडी में नपा दस एमएलडी पानी शहर भर के कुओं और नलकूपों से लेती है। मतलब साफ है कि जो दावे चंबल के पानी के मंदसौर आने के किए जा रहे थे वह खोखले थे।

32 लाख गैलन पानी प्रतिदिन होता है सप्लाई–शहर में तीन साल पहले तक 28 लाख गैलन पानी प्रतिदिन नलों के माध्यम से .... **शेष पेज 4 पर**

एक नजर पानी वितरण व्यवस्था पर...

- शहर में नल कनेक्शन 29000
- प्रतिदिन पेयजल सप्लाई 32 एमएलडी
- चंबल से पानी आ रहा 18 एमएलडी
- कालाभाटा में वर्तमान में पानी 16 फीट
- रामघाट बैराज में वर्तमान में पानी 4 फीट
- कालाभाटा से अब तक पानी लिया 4 बार
- चंचल योजना में चल रहे पंप 5 में से 2

पिकअप के नीचे आई बाइक, हादसा टला

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के धानमंडी में पिकअप की ब्रेक नली टूटने से एक बाइक पिकअप के नीचे आ गई। जिससे बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। यहां एक बड़ा हादसा टल गया। बताते हैं कि पिकअप एमपी 39 जी 0889 धानमंडी से होकर गुजर रही थी। धानमंडी सकरा होने के साथ ही शहर के व्यस्ततम इलाकों में एक है। माल लादकर गुजर रही पिकअप की ब्रेक नली टूट गई। जिससे चालक पिकअप से नियंत्रण खो बैठा। पिकअप ने एक बाइक को चपेट में ले लिया। बाइक पिकअप के नीचे दब गई। इसके अलावा एक और बाइक को भी पिकअप ने टकर मारी। इसके बाद यहां भीड़ जमा हो गई।

रिटायर चपरासी ने नाबालिग युवती को किए ईशारे, प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गरोठ नगर के एक मोहल्ले में रहने वाले रिटायर चपरासी ने सामने रहने वाली नाबलिग युवती को खराब ईशारे किए। आए दिन ऐसी हरकत करने पर परिजनों ने इसका वीडियो बनाया। थाने आकर शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी रामगोपाल पिता राजाराम व्यास निवासी पांडे मोहल्ला है, जो तहसील में भृत्य था। वह रिटायर हो गया है। रामगोपाल ने वृद्धावस्था में गलत हरकतें की। वीडियो बनने पर पुलिस ने इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसे आज पेश किया जाएगा।

एक किलोमीटर सड़क में 75 लाख का घोटाला! लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। एक किलोमीटर की सीसी सड़क में हुए करीब 75 लाख के घोटाले को लेकर मंदसौर लोक निर्माण विभाग के खिलाफ लोकायुक्त भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, इसकी जांच ईओडब्ल्यू कर रहा है। शिकायतकर्ता गरोठ निवासी जगदीश अग्रवाल ने बताया कि मल्हारगढ़ में रेलवे स्टेशन से कन्याशाला के बीच बन रही सड़क में ठेकेदार ने लोक निर्माण विभाग से सांठ-गांठ कर शासन को करीब 75 लाख रुपए का चूना लगाया है। यह सड़क एम30 की बनना स्वीकृत हुई थी और बनी भी एम 30 में ही, लेकिन लोक निर्माण विभाग ने इसका भुगतान एम40 के मान से कर दिया है। सड़क करीब दो करोड़ रुपए की बनी है, लेकिन ठेकेदार को भुगतान पौने तीन करोड़ रुपए कर दिया। अग्रवाल के बताया कि इसकी शिकायत पिछले माह लोकायुक्त व ईओडब्ल्यू को की थी। बाद में जांच दल भी निर्माण कार्य की जांच करने आया था। जांच के बाद मामले में लोकायुक्त ने प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। इसमें मंदसौर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, एसडीओ, इंजीनियर ने ठेकेदार से मिलीभगत कर कागजों में फर्जीवाड़ा कर ठेकेदार को काम से अधिक भुगतान किया है।

एनडीए सरकार के बजट में नीतीश और नायडू को खुश किया जाएगा!

उज्जैन/मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सभी जान रहे हैं कि वर्तमान एनडीए की मोदी सरकार को दो प्रमुख सहयोगी दलों की अतिरिक्त मांग ने परेशान कर रखा है। विपक्षी दलों के नेता तो सार्वजनिक दावा कर रहे हैं कि बजट के बाद यह सरकार ज्यादा समय तक नहीं चल पाएगी। कारण नीतीश को बिहार को विशेष दर्जा दिलाने पर अड़े हैं तो नायडू को एक लाख करोड़ बजट में अलग से चाहिए साथ ही जीडीपी में अपने राज्य के लिए हिस्सा बढ़ाने की मांग भी कर चुके हैं। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। केंद्र सरकार की वर्तमान की हालत ऐसा करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती है। क्योंकि ऐसा करने पर चंद्रबाबू नायडू भी आंध्र के लिए विशेष दर्जा पाने के लिए आवाज तो उठा ही रहे हैं, दबाव बनाने लगेंगे। अभी तक विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों में तेलंगाना उत्तराखंड हिमाचल के साथ नॉर्थ ईस्ट के असम नगालैंड मणिपुर त्रिपुरा अरुणाचल मिजोरम सिक्किम और मेघालय शामिल है इसके अलावा 1969 में जम्मू कश्मीर राज्य को भी विशेष दर्जा दिया गया है।

चन्द्रमोहन भगत

विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को टैक्स में बहुत सारी छूट मिली होती है और केंद्र सरकार से राज्य की योजनाओं में भी मदद का प्रावधान रहता है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि अन्य राज्यों के मुकाबले केंद्र को टैक्स देने में राहत भी मिलती है और केंद्र सरकार के खजाने से अन्य राज्यों के मुकाबले विभिन्न योजनाओं के लिए राशि भी आसानी से मिल जाती है। इसीलिए माना जा रहा है कि दोनों अपने-अपने राज्यों के लिए अपनी मांगे पहले बजट में ही स्वीकृत करने का दबाव बनाए हुए हैं। बिहार के लिए जदयू ने 9 एयरपोर्ट 4 नई मेट्रो लाइन 7 मेडिकल कॉलेज 20 हजार करोड़ रुपए का थर्मल पावर साथ में राज्य की 20 हजार किलोमीटर सड़क मरम्मत का पैकेज मांगा है। इसी तरह आंध्र के लिए चंद्रबाबू नायडू ने एक लाख करोड़ रुपए की पहले बजट में ही मांग रख चुके हैं। साथ में केंद्र सरकार राज्यों से प्राप्त होने वाले टैक्स में से आंध्र प्रदेश को चार प्रतिशत राशि दिया जा दिए जाने की मांग की है जो अभी तक 3 प्रतिशत मिल रहा है। इसके अलावा अमरावती सचिवालय बनाने के प्रोजेक्ट को फिर से शुरू कराया जाए।

यह शाश्वत सत्य है कि वर्तमान मोदी सरकार 200 करोड़ से अधिक कर्जा ढोए हुए मुसीबत से चल रही है। ऐसे में इन दो राज्यों को इतनी अधिक राशि बजट में स्वीकृत करेंगे तो स्वाभाविक ही अन्य राज्यों की मांगे भी बढ़ेगी और स्वीकारने का दबाव भी । दो दिन पहले ही सर्व दलीय संसदीय समिति की बैठक में नीतीश के प्रतिनिधि बन पहुंचे संजय झा ने बिहार की विशेष दर्जे की मांग को जायज अधिकार की तरह पेश किया है। इन्हीं हालातो की राजनीतिक दलों में चर्चा के कारण विपक्षी दलों के नेता खास कर अखिलेश यादव तो सार्वजनिक दावा कर रहे हैं कि यह मोदी सरकार ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। इंडिया गठबंधन के सभी दल भी यही आस लगाए हुए हैं कि बजट पेश होने के बाद एनडीए के सहयोगी दलों में दरार पड़ेगी तो मोदी सरकार कमजोर होगी तब स्वाभाविक ही विपक्ष की ताकत और जन आधार में इजावा होगा।

विचार-मंथन

तकनीकी गड़बड़ी से अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित

तकनीकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ते जाने से व्यवसाय-वाणिज्य, निजी और दफ्तरी कामकाज में तेजी तो आई है, मगर इसमें एक खराबी किस कदर दुनिया की सारी रफ्तार रोक देती है, इसका ताजा उदाहरण माइक्रोसाफ्ट के नए साफ्टवेयर में आई गड़बड़ी है। माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में गड़बड़ी आने से दुनिया भर के दफ्तरों में कामकाज लगभग ठप्प हो गया, रफ्तार थम गई। विभिन्न देशों में चौदह सौ से ऊपर हवाई सेवाएं रद्द करनी पड़ीं और हजारों हवाई जहाज देरी से उड़ पाए। टेलीविजन प्रसारण, बैंक सेवाओं, शेयर बाजार के कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुए। हालांकि माइक्रोसाफ्ट के इंजीनियर इस गड़बड़ी को सुधारने में जुट गए, मगर इतने भर से दुनिया भर में अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित हो गया। दरअसल, माइक्रोसाफ्ट ने एक नया साफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे उपभोक्ताओं को तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित सेवा देने का दावा किया गया था। यह साफ्टवेयर क्लाउड सेवा से जुड़ा हुआ है। उसमें क्राउड स्ट्राइक नामक साइबर सेंधमारी से सुरक्षा प्रदान करने वाले 'एंटीवायरस' को अद्यतन किया गया, तभी से गड़बड़ी शुरू हो गई। कंप्यूटर अपने आप बंद और चालू होने लगे। इससे माइक्रोसाफ्ट कंपनी की साख पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि कुछ महीने पहले एलन मस्क ने भी माइक्रोसाफ्ट के 'एज' नामक नए साफ्टवेयर की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि यह साफ्टवेयर अव्यावहारिक है, जो कई कंप्यूटरों से एक साथ जुड़ जाता है और इस तरह इसकी सुरक्षा विश्वसनीय नहीं रह जाती। मगर तब माइक्रोसाफ्ट की तरफ से जवाब में कहा गया था कि यह साफ्टवेयर उपभोक्ता को कहीं भी बैठ कर आसानी से काम करने की सुविधा देता है। इसमें सेंधमारी का खतरा नहीं रहता। अब फिर से इस साफ्टवेयर की विश्वसनीयता संदिग्ध हो गई है। फिलहाल यह दावा करना मुश्किल है कि किसी साइबर अपराधी ने ऐसी गड़बड़ी पैदा की, पर ऐसी हरकत से इनकार नहीं किया जा सकता। जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती गई है, वैसे-वैसे इसके खतरे भी बढ़ते गए हैं। साइबर सेंधमार लोगों के बैंक खातों, दफ्तरों के दस्तावेजों, कंपनियों के लेखा-जोखा वगैरह में सेंधमारी करने लगे हैं। हर इलेक्ट्रानिक उपकरण निर्माता कंपनी साइबर सेंधमारी रोकने के लिए वायरसरोधी उपाय करती है। जो कंपनी इसमें पिछड़ जाती है, वह बाजार में भी पिछड़ जाती है। माइक्रोसाफ्ट ने भी इसी समस्या से बचाने के लिए नई तकनीक ईजाद करने का दावा किया था। हर नई तकनीक में प्रायोगिक स्तर पर कुछ न कुछ अड़चन आती है। मगर जब कोई भरोसेमंद कंपनी अपने किसी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बाजार में उतारती है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लेती है कि वह पूरी तरह कारगर है। न जाने कैसे माइक्रोसाफ्ट से यह चूक हो गई कि इस साफ्टवेयर को लेकर आ रही शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए इसे बाजार में चलाए रखा। माइक्रोसाफ्ट एज नामक तकनीक उपयोगी और सुविधाजनक हो सकती है, मगर पूरी तरह भरोसेमंद बन जाने से पहले उसे बाजार में इतने बड़े पैमाने पर नहीं वितरित किया जाना चाहिए था। जिस एंटीवायरस की वजह से ताजा समस्या आई बताई जा रही है, उसके परीक्षण में भी कहीं न कहीं चूक हुई। इस साफ्टवेयर में गड़बड़ी के चलते सिर्फ कुछ देर में जिस तरह दुनिया भर में करोड़ों लोगों को परेशानियां और व्यावसायिक संगठनों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, उसकी भरपाई होना मुश्किल है।

रेल दुर्घटना: उपजते सवालों के जवाब आखिर कौन देगा?

कमलेश पांडेय

पिछले साल, पूर्वी भारत में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना हुई, जिसमें 280 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जो दशकों में सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक थी। आलम यह है कि रेल सुरक्षा में सुधार के तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद, हर साल कई एक दुर्घटनाएँ होती है, जिनका कारण अक्सर मानवीय भूल या पुराने सिग्नलिंग उपकरण होते हैं। लेकिन लगातार हो रही इन रेल दुर्घटनाओं को देखते हुए आधा दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण सवाल पैदा हो रहे हैं, जिनके जवाब समय रहते ही मिल जाएं तो इन दुर्घटनाओं को टाला जा सकेगा। पहला, रेलवे की कवच सुरक्षा प्रणाली अब तक केवल 1 प्रतिशत रेलवे ट्रैक को ही क्यों कवर कर पाई है? इस विलम्ब के लिए कौन जिम्मेदार है? दूसरा, अगर देश के पास सभी रेलवे ट्रैक पर कवच प्रणाली लगाने के साधन नहीं हैं, तो प्रधानमंत्री और रेलमंत्री कवच प्रणाली को अपग्रेड करने के बजाय बुलेट ट्रेनों और 250 किलोमीटर प्रति घंटे की हाई स्पीड ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के पीछे क्यों पड़े हैं? क्या उनके ऊपर कोई कूटनीतिक दबाव है या फिर मित्र उद्योगपतियों और ठेकेदारों को उपकृत करने के लिए यह सबकुछ किया जाएगा। तीसरा, लगातार रेल दुर्घटनाओं के बावजूद भारत सरकार ने रेल सुरक्षा पर खर्च करने के बजाय बुलेट ट्रेनों पर 1 लाख करोड़ रुपये क्यों खर्च किए? क्या इसके लिए रेलवे सुरक्षा के लिए आवंटित धन को डायवर्ट किया गया? चतुर्थ, वित्त वर्ष 2024 में ट्रैक नवीनीकरण के लिए आवंटन बजट के 7.2 प्रतिशत तक ही सीमित क्यों रखा गया? क्या सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए रखरखाव और नवीनीकरण को उच्च प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए? यदि नहीं तो फिर उपाय क्या है? पंचम, दिसंबर 2022 में सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया था कि 2018 से 2021 तक 69 प्रतिशत रेल दुर्घटनाएँ रेल दुर्घटनाओं से संबंधित थीं। सीएजी निरीक्षण रिपोर्ट में गंभीर कमियों की पहचान की गई थी। लेकिन उन कमियों पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? इस लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है? छठा, रेलवे में लगभग 3 लाख रिक्तियाँ क्यों हैं? जिनमें से 1.5 लाख से अधिक सुरक्षा से संबंधित पद हैं। क्या इस सरकार के लिए यात्री सुरक्षा का कोई मतलब नहीं है? या फिर इसे भी चरणबद्ध रूप से निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी चल रही है, जो समय के साथ प्रकाश में आएगा। सातवां, लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद मोदी सरकार ने रेल बजट को आम बजट में क्यों मिला दिया? क्या इसे उचित फैसला करार दिया जा सकता है। आठवां, जब कतिपय जांच रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए ऑटोमेटिक सिग्नल की विफलता, संचालन के प्रबंधन में कई स्तरों पर खामियाँ और लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के पास वॉकी-टॉकी जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण की अनुपलब्धता जैसे कुछ कारण बताए गए हैं, तो फिर उन्हें पूरा करके इन कमियों को दूर क्यों नहीं किया जा रहा है? नवम, इन तमाम गम्भीर सवालों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके रेल मंत्री

अश्विनी वैष्णव, जो आत्म-प्रचार का कोई मौका नहीं छोड़ते, सेल्फी और रील कल्चर के आदि हो चुके हैं, को भारतीय रेलवे में हुई भारी खामियों की सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए या नहीं? यदि नहीं तो क्यों नहीं? दशम, सच कहा जाए तो यह जांच का विषय है कि ट्रेन से जुड़ी कई दुर्घटनाएँ लगातार हो रही हैं, पर अपेक्षित कार्रवाई नदारत। देश में लगातार रेल हादसे हो रहे हैं, लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, ऐसे में अगर कोई सबसे बड़ा दोषी है तो वो रेल मंत्री हैं या फिर रेल महकमें के वो बड़े अधिकारी जो इन्हें रोकने के प्रति गम्भीर नहीं हैं। इसलिए पूर्व के रेल मंत्रियों की तरह ही इन्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए। अंतिम सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है, और यदि नहीं, तो क्यों नहीं? वैसे तो पिछले दशक में भारत में कई रेल दुर्घटनाएँ कई कारणों से हुई है, जिनमें यांत्रिक विफलताओं से लेकर मानवीय लापरवाही तक शामिल है। इसलिए यहाँ पर हम कुछ प्रमुख घटनाओं, उनके कारणों और अधिकारियों द्वारा कही गई बातों पर एक नजर डालते हैं, ताकि आप यह समझ सकें। पहला, 26 मई, 2014 को, हिसार-गोरखपुर मार्ग पर गोरखधाम एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश में एक डबल-लाइन सेक्शन से गुजर रही थी, जब इसका इंजन 11 डिब्बों के साथ पटरी से उतर गया। इस दुर्घटना का कारण «टंग रेल का फैक्चर» माना गया, जो ट्रेनों को आसानी से दूसरी रेलवे लाइन पर जाने में मदद करता है, और इसे «उपकरण की विफलता» के रूप में वर्गीकृत किया गया। इस घटना में कम से कम 29 यात्रियों की जान चली गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दूसरा, 2015 में वाराणसी-देहरादून जनता एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश के एक स्टेशन पर रुकने में विफल रही, जिसके कारण 20 मार्च, 2015 को कुछ डिब्बे दुर्घटनाग्रस्त हो गए और पटरी से उतर गए। उस समय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा था कि जब ट्रेन बछरावां स्टेशन में प्रवेश कर रही थी, तब ट्रेन के लोको पायलट ने सिग्नल को पार कर लिया और रेत के ढेर में जा टकराई, जिससे ट्रेन का इंजन और दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में लगभग 39 यात्रियों की मौत हो गई और 150 लोग घायल हो गए। तीसरा, 20 नवंबर, 2016 को कानपुर देहात जिले के पुखरायां इलाके में इंदौर-पटना एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना में 152 लोगों की जान चली गई। हाल के वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में हुई सबसे बड़ी मौतों में से यह एक है। चतुर्थ, 21 जनवरी, 2017 को जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस आंध्र प्रदेश के कुनेरू स्टेशन पर पटरी से उतर गई। ओडिशा जाने वाली इस ट्रेन की दुर्घटना में 40 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पंचम, 19 अक्टूबर, 2018 को अमृतसर के नजदीक रेलवे ट्रैक पर दशहरा समारोह देखने के लिए खड़े लोगों को दो ट्रेनों ने रौंद दिया, जिसमें लगभग 60 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। जब जालंधर-अमृतसर डीएमयू ट्रैक पर आई, तो आतिशबाजी देखने के लिए लगभग 300 लोगों की भीड़ जमा थी। छठा, 3 फरवरी, 2019 को बिहार के वैशाली जिले में दिल्ली जाने वाली सीमांचल एक्सप्रेस की बोगियों के पटरी से उतरने के कारण सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना में सहदेई-बुजुर्ग रेलवे स्टेशन के पास नौ ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतर गए। सातवां, हैदराबाद के पास चेरलापल्ली स्टेशन से नासिक के पनेवाड़ी स्टेशन जा रही एक खाली मालगाड़ी ने 8 मई, 2020 को पटरियों पर सो रहे 16 श्रमिकों को गलती से कुचल दिया। कथित तौर पर लोको पायलट ने श्रमिकों को देखा, लेकिन समय रहते ट्रेन को रोकने में विफल रहा।

ख्वाबों का टूटना यानी बेहताशा उम्मीदें खत्म हो जाना...

मनोज कुमार

कहते हैं कि सुख और दुख जीवन में परछाई की तरह होते हैं। दोनों का समय बंधा हुआ है। आज दुख है तो कल सुख हमारे द्वार आएगा। जो आज सुखी है, उसके जीवन में दुख चुपके से प्रवेश कर जाएगा। दुख के अर्थ अनेक हैं। वह हमारी सेहत का हो सकता है। वह रोजगार को छीन सकता है, रिश्तों में खटास ला सकता है या दुख हमारे सपने को तोड़ सकता है। मगर सुख की एक परिभाषा है चेहरे पर मुस्कराहट। जो आदमी प्रसन्न है, वह सुखी है और जो सुखी है वह प्रसन्न है। इससे इतर एक और सवाल मन में आता है कि आखिर दुख क्यों उपजता है? शायद किसी साधारण व्यक्ति के लिए एक परिभाषा हो सकती है कि जब अपने मन का न हो तो दुख, लेकिन हकीकत यह है कि दुख से बड़ा दुख सुख के सपने देते हैं। हम सपने बुन लेते हैं। कई बार हमारे जीवन में यह सपना आता है कि हमारी शिक्षा के मुताबिक ओहदा और सम्मान मिले, लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं है और हम दुखी हो जाते हैं। यहां दुख की परिभाषा बदल जाती है, क्योंकि सुख के सपने की कल्पना पूरी नहीं होने पर हम दुखी हो जाते हैं। ऐसे लोग आसपास देखे जा सकते हैं, जिनकी जिंदगी कभी सामान्य नहीं रही, लेकिन आज वे खुश हैं। यह खुशी उनके सपनों के सच हो जाने की खुशी है। जिस जीवनसाथी से जीवन भर उनकी नहीं बनी होगी, अचानक उनके प्रति चिंता या उनके हवाले खुद को छोड़ देना सुख नहीं है, बल्कि सुख के सपनों को पूरा करना है। एक सच यह भी है कि जब उस दंपती के बीच जीवनभर तनातनी चल रही होगी, तब वे आर्थिक रूप से सम्पन्न नहीं रहे होंगे। सत्ता संस्थानों और ख्याति की कल्पना की जाती है, उससे भी बहुत वास्ता नहीं होगा। मगर जीवन का पहिया घूम जाए तो और सुख के सपने सच होने लगते हैं। धन, सत्ता और ख्याति पास चली आती है और फिर सुख भी पहलू में आ जाते हैं। दुख का सुख में बदलना शायद इसे ही कहते हैं। हम जिस तरह की सामाजिक व्यवस्था में रहते हैं, उसमें अगर किसी महिला जीवनसाथी को यह कहा जाए कि पति के जिंदा और स्वस्थ रहने की इच्छा अपने जीवन के अनावश्यक कष्टों की आशंका की वजह से की जाती है, तो यह शायद आम धारणा के मुताबिक ही होगा और महिला जीवनसाथी इसे सच भी माने। निर्भरता की स्थितियां कई बार इस तरह सोचने पर मजबूर करती हैं। इस तरह की बातों में सुख और दुख का दोनों पलड़ा समान है, क्योंकि महिला के सुख के सपने टूट नहीं रहे हैं और दुख की आशंका को उसने जाहिर कर दिया है। हमारे समाज में अनेक परिवार हैं जिनमें लोग गफलत में ही सही, सुख के सपने के साथ जीवन बसर कर लेते हैं। अगर रिश्ते के लिए सोचा और किया जाए, तो इससे बेहतर कुछ नहीं। मगर यह कहा जाए कि कोई पैसे के लिए उसका खयाल रख रहा है तो इस तरह का दंभ जीवन में एक नया दुख दे सकता है। दुख को सुख के सपनों में परिवर्तित करने का एक अवसर तब आता है, जब बच्चे उनका साथ छोड़कर अपनी जिंदगी में मसरूफ हो जाते हैं। एकाकीपन में जो साथ होता है, वह सुख और दुख की किसी परिभाषा से परे होता है। यहां परस्पर जरूरत दोनों को साथ लेकर आता है। खाना से लेकर दवा तक इंतजाम करना होता है और यही जरूरतें सुख और दुख की नई परिभाषा गढ़ती हैं। इसे हम अपने अनुरूप अपनी परिभाषा में ढाल सकते हैं। सुख के सपने टूटने का मनोवैज्ञानिक कारणों का पता लगाया जाए तो बेहताशा उम्मीदों का टूट जाना और निराशा में मौत को गले लगाना है। देश के किसी भी राज्य में खुदकुशी के आंकड़े देखे जाएं तो सर्वाधिक निराश और हताश युवा मिलेंगे जो जीवन को खत्म करना सबसे आसान समझते हैं। उनका जीवन अभी शुरू हुआ है और उनके जीवन में अच्छे अंकों से पास नहीं होना या मनमर्जी के मुताबिक नौकरी नहीं मिलना या बेरोजगारी से तंग आकर प्रेम का टूट जाना उनका दुख है। यह वही स्थिति है जहां दुख ने नहीं, सुख के सपनों ने हमेशा इस पीढ़ी को दुखी किया है। ऐसे में पिता का पीठ पर हाथ और मां का दुलार उन्हें ऐसे दुख से उबार सकता है। यहां दुख और निराशा में भी भेद करने आना चाहिए। दुख आने पर इसका निदान हो सकता है।

चैंपियन कभी हारते नहीं, न हथियार डालते हैं... टूटकर बिखर न जाना हार्दिक पंड्या!

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या का उनकी पत्नी नताशा स्टैनकोविक के साथ तलाक हो गया है। बीते कई महीनों से हार्दिक और नताशा की तलाक की खबरें सुर्खियों में थी, लेकिन 18 जुलाई को एक स्टेटमेंट जारी कर उन्होंने औपचारिक रूप से अलग होने का ऐलान कर दिया। कहते हैं कि रात के अंधेरे के बाद सुबह का उजाला जरूर आता है... ऐसे में इस अंधेरे से या बुरे वक्त से घबराना नहीं चाहिए। ऐसा ही कुछ टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के साथ चल रहा है। हार्दिक पंड्या की पर्सनल लाइफ इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रही है। सर्बियाई मॉडल नताशा स्टैनकोविक से उनकी शादी सिर्फ चार साल ही टिक पाई। ये वही हार्दिक पंड्या हैं जिन्होंने अपने प्यार को साबित करने के लिए एक बार नहीं दो-दो बार शादी के बंधन में बंधे थे। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिरी ऐसी कौन सी वजह रही होगी कि सात जन्मों के साथ का वादा सिर्फ चार साल में ही टूट गया। ऐसी क्या परेशानी हुई कि हार्दिक को अपने जिगर के टुकड़े से दूर होने पर मजबूर होना पड़ा। पूरी दुनिया को पता है हार्दिक पंड्या अपने बेटे अगस्त्य से कितना प्यार करते हैं जो कि अब उनके पास नहीं है। अगस्त्य अपनी मां के साथ सर्बिया चले गए है। चैंपियन हैं हार्दिक पंड्या टूटेंगे नहीं भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या एक चैंपियन है। बचपन उनका बहुत ही गरीबी में बिता, लेकिन क्रिकेट के प्रति उनका जुनून और कड़ी मेहनत ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। ऐसे में हार्दिक को पता है कि मुश्किल समय में खुद को कैसे संभालना है। ऐसा ही कुछ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में देखने को मिला जब वह मदमस्त होकर डांस कर रहे थे। किसी को नहीं पता था कि उनके अंदर क्या चल रहा है। चेहरे पर खुशी ऐसी थी, कि मानों उनके लाइफ में सब कुछ नॉर्मल है, लेकिन जैसे ही वह अपने होमटाउन बड़ौदा पहुंचे उसके बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने अपनी वाइफ से तलाक की जानकारी दी। हालांकि, हार्दिक और नताशा के अलग होने की खबरें तो लंबे समय चल रही थी, लेकिन अब औपचारिक रूप से तय हो गया ये दोनों साथ नहीं हैं। हार्दिक के अंदर क्या चल रहा है ये तो सिर्फ वही जानते होंगे, लेकिन वह जिस तरह के व्यक्तित्व हैं उससे साफ है कि इस मुश्किल घड़ी में वह खुद को संभाल लेंगे टूट कर बिखरेंगे नहीं। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के दौरान जब हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर संघर्ष कर रहे थे उसी बीच सोशल मीडिया पर उनके नताशा से अलग होने की खबर ने भूचाल ला दिया था। रेडिट पर एक पोस्ट में यह इशारा किया गया कि दोनों एक दूसरे से अलग होने वाले हैं। क्योंकि नताशा ने अपने इंस्टाग्राम पर सरनेम से पंड्या हटा लिया था। इसके अलावा वह आईपीएल के मैच के दौरान हार्दिक को सपोर्ट करने स्टेडियम में मैच देखने भी नहीं आ रही थी। इन सबके बीच नताशा लगातार अपने इंस्टाग्राम पर क्रिप्टिक मैसेज शेयर करती जा रही थी, अफवाहों को और मजबूती दे दी। ऐसे में धीरे-धीरे उनके तलाक की चर्चा तेज हो गई और आखिरकार 18 जुलाई को यह अफवाह सच साबित हुई। अलग होने के आखिरी पैगाम में क्या-क्या कहा? हार्दिक ने अपने इंस्टा पोस्ट में कहा, चार साल साथ रहने के बाद नताशा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने साथ मिलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और अपना बेस्ट दिया।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5304

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5303

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5304

1	2	3	■	4	5	6	7
8			9	■	10		
	■	11		■		■	■
12	13		■	14		15	16
17		■	18		■	19	
■	20	21	■	■	22	■	■
23			■	24	■	25	26
■		■	27				

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के इतिहास में 16 अप्रैल का दिन एक प्रमुख कारण से दर्ज है। जिसमें भारत में पहली बार ट्रेन चली थी 1853 को पहली रेल [illegible] (3)
4. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
8. एक जैसी शक्ल वाले, अनुरूप (4)
10. पुस्तक पठन आधार (3)
11. एक प्रकार की गर्म चादर (2)
12. मंडित, [illegible] हुआ (3)
14. युद्ध में शत्रु की सेना से छीना हुआ माल (4)
17. [illegible] (2)
18. मुट्ठी, मुक्का (2)
19. [illegible] (2)
20. इतिहास, अनुक्रमणिका, तालिका (2)
22. [illegible] (1)
23. अविलम्बता, [illegible] (3)
25. वर्तमान दिन (2)
27. इच्छा रखने वाला, [illegible] (5)

ऊपर से नीचे
1. [illegible] (5)
2. एक विस्फोटक पदार्थ (2)
3. [illegible] (4)
5. [illegible] (4)
6. एक सर्वनाम (4)
7. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
9. आमोद-प्रमोद के लिए बनाई गई संस्था (2)
13. दिशा का संकेत देने वाला यंत्र (5)
14. [illegible] (2)
15. [illegible] (2)
16. निवास, [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
24. शरीर के [illegible] रोग का नाम, [illegible] (2)
25. एक [illegible] हास्य अभिनेता (2)
26. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5303 का हल

इ	डि	य	न	बैं	क	■	स
डि	■	म	य	क	दा	■	र
रा	ह	ज	न	■	ति	रा	ग
गां	ठ	■	प	■	ल	मा	म
धी	■	प	ट	ना	■	नु	■
■	शा	द	■	द	है	ज	■
ला	ल	ब	है	ना	■	■	सा
ल	■	र	व	■	पं	जा	ब

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

कन्या महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय मंदसौर की प्राचार्य डॉ उमा गगरानी ने बताया कि महाविद्यालय में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव पूरे गौरव और सम्मान के साथ मनाया गया। समारोह काशुभारम्भ प्रमुख अतिथि डॉ. आर के वर्मा सेवानिवृत सहायक प्राध्यापक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सरस्वती वंदना सपना परमार एवं रवीना मौर्य द्वारा प्रस्तुत की गई एवं मुख्य अतिथि वक्ताओं का स्वागत पुष्पहारों से किया गया प्राचार्य एवं सभी विभाग के गुरुजनों का विद्यार्थियों द्वारा सम्मान किया गया।

गुरू के आदर्श: प्रमुख गुरूओं की जीवन गाथा एवं शिक्षण सिद्धांतष्ष् विषय पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज तक गुरूओं ने अपने अनेक शिष्यों को योद्धा बनायेए वैज्ञानिक बनायेए शिक्षक बनायेंए। द्रोणाचार्य, अर्जुन, राम, वशिष्ठ, परशुराम, कर्ण, चाणक्य, चन्द्रगुप्त, रामदास, शिवाजी, अरस्तु, सिकन्दर, रामकृष्ण परमहंस, दृविवेकानंद जैसे उदाहरण देकर गुरू शिष्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गुरु से बडा कोई नहीं है। ईश्वर की प्राप्ति गुरु के माध्यम से ही हो सकती है। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर पी एल पाटीदार जी द्वारा स्वागत भाषण देते हुए कहा कि गुरु शिष्य परम्परा हमारे संस्थानों से हटकर दूसरी और जा रही है, वेद व्यास ने इस गुरु पूर्णिमा को पुरे विश्व में फैलाया। गुरुपूर्णिमा में आस्था और विश्वास हमेशा बना रहना चाहिये। गुरु शिष्य का रिश्ता बना रहने के लिए दोनों तरफ से पालन होना जरुरी है। द्रोणाचार्य एवं एकलव्य के लिए गुरु शिष्य के रिश्ते बहुत खुबसूरत तरीके से बताया। आत्मा से आत्मा का जब जुडाव होता है तब गुरु मल्टीटेलेंट निखार लाता है। इसीलिए गुरु में अति आस्था और विश्वास बहुत जरुरी है। शिष्य के टेलेंट की पहचान आपका गुरु ही कर सकता है। आपके अंदर असीम शक्तियां हैं द्यगुरू उन शक्तियों को जाग्रत करता है और आपके जीवन को सर्वश्रेष्ठ बनाता है। यही अच्छे समाज और अच्छे राष्ट्रनिर्माण के लिए बहुत जरूरी है। सर्वश्रेष्ठ आचरण सर्वश्रेष्ठता की ओर बढा है कभी अपने आचरण को भ्रमित न करें और अपने लक्ष्य की और हमेशा सकारात्मकता की ओर बढते रहे।

योग और ध्यान: गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर जोर विषय पर उद्बोधन देते हुए श्री मनीष पांचाल क्रीडा अधिकारी ने कहा कि योग भारत की संस्कृति का अभिन्न अंग है जिसका सभी देशों ने अपनाया और इसकी मदद से आपका सर्वांगीण विकास किया है। योग मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है योग के लिए बहुत बडे ग्राउण्ड की आवश्यकता नहीं केवल थोडी जगह और उचित साधन होना जरूरी है और सर्वश्रेष्ठ आसन सूर्यनमस्कार को बताया जिसके 12 आसन होते और हर आसन हमे विभिन्न शारीरिक फायदे देते है। शिक्षा में नवाचार आधुनिक शिक्षा प्रणाली मे नवाचार की भूमिका और उसकी आवश्यकता पर उद्बोधन देते हुए श्री कांतिलाल कुमावत ने कहा कि हम क्या नया कर सकते है जिससे शिक्षा प्रणाली को बेहतर हो सके। नैतिकता वर्तमान में खत्म होती जा रही है। इसकी तरफ में ध्यान देना है। हमारे समाज में नैतिकता की ज्यादा कमी हो रही है केवल स्कूल स्तर से ही नैतिकता नहीं सिखी जाती है बल्कि समाज कोभीइसमेंसहयागदेनाचाहियेद्य इसीलिए समाज में नैतिकता को बढावा देना चाहिए अर्थात समाज की बुराई से परहेज करे एवं अच्छी चीजों को अपना कर इसे आगे बढाए आधुनिक शिक्षा से रोजगार की कमी होती जा रही है। स्वरोजगार में जानकारी का अभाव हैं स्कील की वजह से अपना रोजगार अपनाया जा सकता है। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्रायें भी उपस्थित थी। छात्राओं द्वारा फीडबैक फार्म भी भरे गये। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य एवं आभार डा.सुधीर रायजादा ने माना।

मेनपुरिया में अच्छी बारिश के लिए मनाई उज्जैनी

मेनपुरिया, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मेनपुरिया गांव में अच्छी बारिश की कामना को लेकर सोमवार को उज्जैनी मनाई। सभी ग्रामीणों ने मिलकर खेडा देवता का हवन पूजन, अभिषेक किया। सभी गांव के मंदिर और खेडा देव मंदिरों पर भी सुबह पूजा अर्चना, हवन -यज्ञ किए गए। घरों में चूल्हा न जलाकर के खेत कुएं पर चूरमा -बाटी बनाकर के अच्छी बारिश के लिए इंद्रदेव को भोग लगाया गया। सुबह गांव के सभी पशु को भी निकाल गया, पशु की पूजा -अर्चना कर जल का छिडकाव किया गया। पशु-पक्षी को भी बीमारी ना लगे, गांव की उन्नति की सुख शांति और अच्छी बारिश की कामना को लेकर सभी ने अपने-अपने खेत कुएं पर दाल बाटी, चूरमा अपने सभी देवी देवताओं को भोग लगाकर इस साल अच्छी बारिश की कामना की।

दलौदा महाविद्यालय में मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

दलौदा, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय हेमंत धनोतिया , मुख्य अतिथि दलौदा कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवम् वरिष्ठ प्राध्यापक प्रधानमन्त्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस मंदसौर, प्रभारी प्राचार्य शैलेन्द्र मालीवाड द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो .राजेश कुमार हाडा, प्रो प्रिया जैन, प्रो .मेघा जोशी ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत दी। छात्र छात्राओं ने मुख्य अतिथि, स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष,प्राध्यापको को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया है।

कार्यक्रम को आगे बढाते हुए गुरु वन्दना की प्रस्तुति रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक प्रिया जैन द्वारा दी गई है। स्वागत भाषण प्रभारी प्राचार्य शैलेन्द्र मालीवाड द्वारा दिया गया है। एनएसएस अधिकारी एवम् प्राणिकी विषय केसहायक प्राध्यापक अरुणा नापित ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय का परिचय एवम् विजन पर प्रकाश डाला।महाविद्यालय के स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय हेमंत धनोतिया ने गुरुपूर्णिमा की बधाई देते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है। मुख्य अतिथि डॉ . डीसी गुप्ता ने उद्बबोधन में कहा है कि आपको किसी भी क्षेत्र में आगे बढने के लिए सभी प्राध्यापक का सम्मान करना चाहिए। स्पोर्ट्स ऑफिसर ने भी खेल गतिविधि की जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन डॉ . गजराज श्यामसुंदर पंडिया एवम् आभार डॉ . निधि रावल पालरिया ने माना है।कार्यक्रम में प्राध्यापक ,कर्मचारी और बडी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।उक्त जानकारी डॉ ओंकार सिंह रावत ने दी है।

दलौदा शासकीय महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा उत्सव पर पौधारोपण किया– स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में भारत सरकार के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी एवम् मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री डॉ .मोहन यादव के आव्हान पर महाविद्यालय केपरिसर में वृक्षारोपण कार्य किया गया वृक्षारोपण का कार्य स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय हेमन्त धनोतिया एवम् पूर्व प्राचार्य डॉ . डीसी गुप्ता,महाविद्यालय के प्राचार्य शैलेन्द्र मालीवाड , प्राध्यापको , एनएसएस इकाई के छात्र छात्राओं तथा अन्य छात्र छात्राओं द्वारा किया गया है । वृक्षारोपण के बाद स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हेमन्त धनोतिया ने सभी छात्र छात्राओं से कहा कि आप सभी अपने घर पर ' एक पेड मां के नाम पर' अभियान तहत एक एक पौधा सभी लगाए ,बाद मे उसकी सुरक्षा भी करे। इंदौर शहर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां पर एक ही दिन में 12 लाख से अधिक पोधे लगाकर इस अभियान को सफल बनाया। पौधारोपण के मामले में आज इंदौर शहर भारत सहित विश्व में रिकार्ड बना चुका हैं। हमनें भी इस साल महाविद्यालय परिसर में सैकडों पौधे लगाए रखे हैं। बडे होकर यही पेड महाविद्यालय की सुंदरता, स्वच्छ हवा देगें तथा प्रदूषण से बचाव करेंगे।

पशु क्रूरता अधिनियम में दो वाहन राजसात

नीमच, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड व्दारा थाना जीरन के अपराध क्रमांक 61/2024 धारा 4,6,10 म.प्र.कृषक पशु परीरक्षण अधिनियम 4,6,9 म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधि. एवं 11(2) पशुओं के प्रति क्रुरता का निवा. अधिनियम अंतर्गत प्रकरण में दो वाहन राजसात किए गऐ है। प्रकरण में विचारण उपरांत एडीएम न्यायालय व्दारा 16 जुलाई 2024 को आदेश पारित कर प्रकरण में जप्त शुदा ट्रक RJ 19 GB 6526 एवं RJ19GB0732 तथा दोनों वाहनों में क्रूरतापूर्वक वध हेतु ले जाए जा रहे कुल अवैध 34 गौवंश को मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 व 11(घ) पशु परिरक्षण अधिनियम व पशु क्रुरता निवारण अधिनियम 1960 के उल्लं घन के फलस्वरूप मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध नियम के तहत शासन हित में राजसात किया गया है।

अजाक्स की जिला बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रांतीय निर्देशानुसार अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ (अजाक्स) जिला मंदसौर की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन अजाक्स कार्यालय मंदसौर पर किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संभागीय अध्यक्ष श्री जगन्नाथ बागडी एवं विशेष अतिथि के रूप में संभागीय उपाध्यक्ष श्री जमुना प्रसाद अहिरवार उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजाक्स मंदसौर जिलाध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी द्वारा की गई।

बैठक में प्रांतीय निर्देशानुसार आगामी ज्ञापन की विस्तृत रूपरेखा बनाई गई, अजाक्स चला गांव की ओर अभियान का क्रियान्वयन करने के लिए चर्चा की गई, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई, शासन द्वारा की जा रही आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर रोस्टर के अनुसार स्थायी भर्ती की जाये इस पर सभी सदस्यों ने शासन से मांग की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव मनोज कुमार धानिया ने किया।

सब-कुछ होने पर भी एक सच्चे सद्गुरू का आशीर्वाद नहीं है तो सब व्यर्थ है-स्वामीजी

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्राचीन श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में संतों के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। पूज्य संत सर्वश्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया के युवाचार्य श्री मणी महेश चैतन्यजी महाराज एवं श्री आत्मस्वरूपानंदजी महाराज ऋषिकेष, श्री शिवचैतन्यजी महाराज प्रतापपुरा (राज.), स्वामी प्रभासमुनिजी उदासीन आश्रम हरिद्वार, उज्जैन मुनि बडौदा, मोहनानन्दजी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

प्रारंभ में आश्रम के प्रतिष्ठापक स्वामी चैतन्यदेव, भगवान श्री पशुपतिनाथ के प्रतिष्ठापक स्वामी प्रत्यक्षानंदजी महाराज, स्वामी भागवतानंदजी महाराज, स्वामी नित्यानंदजी महाराज आदि संतों के समाधी मंदिरों में उनके श्री विग्रहों का पूजन अर्चन हुआ व आरती की गई। पूजन अर्चना पं. दिनेश व्यास द्वारा कराई गई। तत्पश्चात् श्री प्रत्यक्षानंद सत्संग सभागार में जिला धार्मिक उत्सव समिति पदाधिकारी, चैतन्य आश्रम लोक न्यास उपाध्यक्ष डॉ. घनश्याम बटवाल, सचिव रूपनारायण जोशी, कोषाध्यक्ष महेश गर्ग, ट्रस्टी जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, पूर्व अध्यक्ष कारूलाल सोनी, भेरूलाल सुथार भालोट, बंशीलाल टांक, एडवोकेट अजय सिखवाल, उदेलाल पडियार भालोट, प्रद्युम्न शर्मा आदि हजारों गुरू भक्तों व जनप्रतिनिधियों ने संतों का सम्मान, पूजन कर उनका आशीर्वचन लिया फिर प्रसादी भण्डारा हुआ जिसमें बडी संख्या में गुरूभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्वामी आत्मस्वरूपानंदजी महाराज– हमारे पास दुनियां की सम्पूर्ण सम्पत्ति-पद-प्रतिष्ठा- सबकुछ चाहे भरपूर हो परन्तु एक सच्चे सद्गुरू का आशीर्वाद नहीं है तो सब बेकार है। परमात्मा क्या है, हम क्या है ? परमात्मा और हमारा संबंध क्या है ? यह ज्ञान केवल एक सद्गुरु ही करा सकता है।

स्वामी मणी महेश चैतन्यजी महाराज– सच्चा सद्गुरू जीवन में एक ही कार्य करता है। हमारे अंत:करण में जन्म जन्मांतरण से अज्ञान रूपी घोर यह अंधकार कि हम नश्वर देह शरीर है जो मृत्यु के पश्चात् नष्ट हो जायेगी परन्तु सद्गुरू इस अज्ञान को मिटाकर यह बोध कराता है कि हम यह शरीर नहीं बल्कि इसके संचालक-नियंत्रक ईश्वर का अंश कहलाने वाली यह आत्मा है जो जन्म से पहले भी थी और मृत्यु के बाद भी रहती है। आत्मा अजर अमर है, कभी मरती नहीं अपने कर्मों के अनुसार योनियां बदलती रहती है। स्वामीजी ने ब्रह्मलीन 11 महापुरूषों द्वारा सोवित-उपासना-साधना रहे चैतन्य आश्रम का परिचय-संज्ञान कराते हुए कहा कि आश्रम के कण-कण में आज भी उन महापुरूषों की चेतना जाग्रत है जो श्रद्धा-विश्वास-भक्ति भावना से आने वाले श्रद्धालुओं को परम शान्ति का अनुभव कराती है। विश्व प्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ के प्रतिष्ठापक स्वामी प्रत्यक्षानंदजी के प्रताप से आश्रम की मध्यप्रदेश बीजवाड (देवास), रतलाम आदि के अलावा शाखाएं राजस्थान के शाहपुरा, भीलवाडा, चित्तौड, गुजरात आदि कई स्थानों पर है जहां सत्संग-संतों का सानिध्य-आशीर्वाद समय-समय पर अनवरत मिलता रहता है।

मनुष्य के भीतर सद्गुणों का भंडार है- आचार्य रामानुज

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मनुष्य के भीतर सद्गुणों का भंडार है किंतु वह अपने गुणों को ना अनुभव कर पता है और ना ही समझ पाता है सद्गुरु ही मनुष्य के भीतर जो सद्गुण हैं उन्हें जागृत कर सकते हैं क्योकि गुरु पूर्णिमा के चन्द्रमा की तरह सम्पूर्ण होते हैं। यह उदगार आचार्य श्री रामानुज महाराज ने श्री हरिकथा आयोजन समिति व मानवता मिशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गुरु पूर्णिमा महापर्व के उपलक्ष में आयोजित समारोह में व्यक्त किए।

आपने कहा कि जो शिक्षा दे वह शिक्षक और जो दीक्षा दे वह धर्म गुरु होता है। व्यक्ति गुरु के चरणों में बैठ कर उनकी उंगली पकड कर आध्यात्मिक यात्रा पर चल पडता है। इसी यात्रा में जीवन का लक्ष्य है, आनन्द है, जो पूरा होता है वहीं गुरु होता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह पूर्ण होते हैं गुरु। वे सम्पूर्ण हैं। स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण परमहंस को ये सब देख कर गुरु नहीं बनाया उनके भीतर की संपूर्णता को देख कर उन्हें गुरु बनाया। जिनमें पूर्णता है जो सद्गुणों के भंडार हैं। जो प्रभु से मिला दे जो मुक्ति का मार्ग दिखा दे जिनकी उंगली पकड कर हम एक निश्चित बच्चे की तरह चलते हैं वही गुरु है। जो लोग जीवन से निराश हो जाते हैं स्वयं को भटका हुआ पथिक मानते हैं और लक्ष्य विहीन जीवन जीने के अभिशाप को अनुभव करते हैं यदि वह सद्गुरु की शरण में चले जाएं तो यह निराशा का भाव भटका हुआ जीवन और लक्ष्य को प्राप्त न करने कि ग्लानि स्वत: समाप्त हो जाएगी। जो सत्य है वह गुरु है और गुरु वही है जिसमें सत्य है। जिनके संकल्प समाप्त हो जाएं वे गुरु की सन्निधि अवश्य प्राप्त करें। गुरुपूर्णिमा पर्व के इस विशिष्ट आयोजन में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, मानवता मिशन ट्रस्ट के अध्यक्ष गंभीर मल राठी, वरिष्ठ पत्रकार व ट्रस्ट के सहसचिव अशोक झलोया, श्री हरिकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल भी मंचासीन थे।

स्वदेशी जागरण मंच का एक दिवसीय विचार वर्ग संपन्न

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच का एकदिवसीय विचार वर्ग सम्पन्न हुआ। जिसमें 150 कार्यकर्ताओं को स्वावलंबी विचारों पर तीन सत्रों में भिन्न-भिन्न आयामों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रथम सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी व प्रसिद्ध किराना व्यवसायी दृष्टनंद नेनवानी द्वारा की गई तथा स्वदेशी जागरण मंच के जिला समन्वय श्री जयदेव सिंह चौहान द्वारा अभ्यर्थियों को कार्यकता विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच मालवा प्रांत सहसंयोजक दिलीप सिंह चौहान के द्वारा स्वदेशी विकास यात्रा पर अभ्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी प्रकार विचार वर्ग के द्वितीय सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलीप चौधरी के द्वारा की गई तथा कृष्णा साख संस्था के संस्थापक श्री महेश जुनवाल, पर्यावरण व पंडित दीनदयाल पर अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसी प्रकार विचार वर्ग के तृतीय सत्र में अध्यक्षता अंकुश पालीवाल द्वारा की गई । मंदसौर के उद्योगपति विजय सुराणा द्वारा अपने अनुभवों से परिचित कराया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री दिलीप सिंह चौहान द्वारा स्वावलंबी भारत के तहत स्वावलंबी केन्द्र के कार्यक्रम योजना अभ्यर्थियों को दी गई व स्वदेशी जागरण मंच के युगपुरुष व संस्थापक दत्तोपंत ठेंगडी के विचारों

व उनके व्यक्तित्व के बारे में अभ्यार्थियों को बताया गया। जिला उद्योग विभाग के श्री दिनेश चांपेवार द्वारा उद्योग के भिन्न-भिन्न योजना की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान स्वदेशी मंच के नव दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें मल्हारगढ तहसील संयोजक राहुल चौहान, सीतामऊ तहसील संयोजक विशाल जाधव, तहसील महिला प्रमुख पूजा ठाकुर, तहसील सह प्रमुख कविता चौहान व मिनाक्षी पंवार, तहसील सह संयोजक जितेन्द्र पाटीदार, नगर सह संयोजक अनमोल वाघवा, नगर सह संयोजक भरत ओझा, तहसील सह संयोजक गोविंद सिंह सिसौदिया, तहसील सह संयोजक शुभम माली, तहसील सह संयोजक घनश्याम वर्मा, नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, नगर तहसील सह संयोजक प्रभु लाल प्रजापत, प्रचार प्रमुख उदित जैन, स्वदेशी जागरण मंच के स्वदेशी जागरण मंदसौर जिला विभाग विस्तारक दिलीप व्यास, जिला संयोजक अंकुश पालीवाल, जिला सह संयोजक दिलीप चौधरी, महेंद्र सिंह राजावत, तहसील संयोजक अभिजीत सिंह मंडलोई, देवेंद्र भारती सतीश बैरागी, किशन पांडे ,चंदन शर्मा, स्वदेशी के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार महेंद्रसिंह राजावत दिलीप चौधरी ने माना।

सावन के प्रथम सप्ताह में भरपूर वर्षा होगी- पं.जोशी

गुरुपूर्णिमा पर महिर्षी वेद व्यास का जन्मोत्सव मनाया

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गुरु पूर्णिमा महोत्सव संवत 2081 असाढ मास शुक्ल पक्ष पूर्णिया रविवार को महिर्षी वेद व्यास का जन्मोत्सव के रूप में पूजा अर्चना तथा स्वामी अवधेशानंदजी महाराज महामंडलेश्वर की आराधना पूजा कर अध्यक्ष भारतीय ज्योतिष परिषद पंडित शिवप्रकाश जोशी ज्योतिषाचार्य के द्वारा अंतर्रस्तीय ज्योतिषी संस्थान मंदसौर पर अन्यन भक्त के सानिध्य में सम्पन्न हूआ। इस आयोजन में मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र अन्य प्रांतों से गुरु भक्तजनों ने पूजा अर्चना में भाग लिया और कई भक्तो ने अपने गुरूजी के ऑनलाइन दर्शन लाभ प्राप्त किये। इस अवसर पर पंडित श्री जोशी द्वारा भविष्यवाणी करते हुवे बताया कि 72 वर्षों मैं ऐसा योग बना है। साथ ही सावन मास के प्रथम सोमवार 22 जुलाई से प्रारंभ होकर अंतिम सोमवार तक चलेगा। ऐसा योग भी 42 वर्षों मैं आया। वर्षा योग्य भविष्यवाणी में बताया कि सावन के प्रथम सप्ताह में भरपूर वर्षा होगी। मौसम रबि की सभी फसले श्रेष्ठ होगी। किसानों की उपज भरपूर होकर भाव में भारी वर्दी रहेगी। मुंगफली तेल बाना, तुवर उडद, घी शक्कर, चांदी सोना, पीतल तांबा, लसन प्याज के भाव विशेष रहेगा। पशुओं में बीमारी का प्रकोप रहेगा, पशुलाकलों को विशेष ध्यान रखा पडेगा।

दिनांक 23 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

यदि आपकी जन्मकुंडली के एकादश भाव मे बृहस्पति (गुरु) ग्रह स्थित हो तो आप को बहुत ही विद्वान्, ज्ञानी, ज्ञान के स्त्रोतो में रूचि रखने वाला तथा तर्कशक्ति पूर्ण बनाता है.. लेकिन वो नीच राशि का हो तो शिक्षा में परिवर्तन या व्यवधान भी देता है।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

नीमच की लाल माटी पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय सम्मेलन संपन्न

नीमच/मनासा, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच की लाल माटी पर 30 वर्षो बाद दिनांक 21 जुलाई को मध्यप्रदेश श्रमजीव पत्रकार संघ का प्रांतीय सम्मेलन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व मे सम्पन्न हुआ। सम्मेलन मे भाग लेने हेतु प्रदेशभर के पत्रकारो ने नीमच पहुंचकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने की और बतौर मुख्य अतिथी क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता राज्यसभा सदस्य सासंद बंशीलाल गुर्जर पूर्व मंत्री विधायक ओमप्रकाश सखलेचा नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार मनासा विधायक अनिरूद्ध माधव मारू नगर पालिका अध्यक्ष श्वाति चौपडा जिला कलेक्टर दिनेश जैन जन सम्पर्क अधिकारी जगदीश मालवीय उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियो द्वारा मां शारदा की पूजन के साथ हुई। कार्यक्रम मे बोलते हुए पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा की भाजपा सरकार हमेशा पत्रकारो के हितो पर सकारात्मक सोच के साथ काम करती है हमारी सरकार ने पत्रकारो की अनेक मांगो को पुरा किया है। आगे भी हम पत्रकार हितो के लिए सदेव आपके साथ है कार्यक्रम मे बोलते हुए विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा की पत्रकारो की तकलीफ परेशानियो को मे अच्छे से जानता हु क्योंकि मे खुद पत्रकार रहा हु इसलिए आप की हर उचित मांग को हम मुख्यमंत्री तक पहुंचाएगे और समाधान का प्रयास करेगे। समारोह मे बोलते हुए विधायक अनिरूद्ध माधव मारू ने कहा की पत्रकार हमे जागरूक और जागृत करने का काम करते हे हम आपकी हर बात सरकार तक पहुंचा कर आपकी मांगो को पुरा कराने मे सहयोगी बनेगे। कार्यक्रम मे जिला कलेक्टर दिनेश जैन ने बोलते हुए कहा की प्रशासन ओर पत्रकार एक गाडी के दो पहिऐ है। आपके द्वारा उठाए हर बिन्दु पर हम गंभीरता से ध्यान देने का प्रयास करते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने पत्रकार एकता पर जोर देते हुए अच्छी ओर सच्ची पत्रकारिता करने की बात कही। समारोह के दौरान मध्यप्रदेश श्रमजीव पत्रकार संघ नीमच जिला इकाई द्वारा जिले के वरिष्ठसमाज सेवी सत्यनारायण गगरानी, जिला कलेक्टर दिनेश जैन, युवा समाजसेवी अरूल अरोरा, उधोगपति साबीर खान स्वराज टेक्सटाइल,वरिष्ठ पत्रकार अरविंद तिवारी,वरिष्ठ चिकित्सक सरफराज मंसुरी, समाज सेवी रामनिवास पाटीदार ,भरत जाट मोरवन, श्रवण पाटीदार नगर परिषद अध्यक्ष डिकेन, नारायण जी चारण गरवाडा, पुरण सहगल मनासा, राजस्थान फिल्म अभिनेत्री प्रतिष्ठा ठाकुर, डाक्टर अक्षिता व्यास डिकेन का अतिथियो के हाथो अभिनंदन पत्र एवं शाल श्रीफल देकर सम्मान किया। जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने अपने स्वागत भाषण मे सभी का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम मे संगठन के वरिष्ठनेता शरद जोशी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अली उपेन्द्र गौतम अनिल त्रिपाठी दिलीप सिंह भदौरिया महासचिव सुनिल त्रिपाठी कार्यकारी महासचिव सत्यनारायण वैष्णव कोषाध्यक्ष शिशुपाल सिंह तौमर सरल प्रताप भदौरिया अमित द्विवेदी रिजवान अहमद राजकुमार दुबे उपस्थित रहे। आगंतुक अतिथियो का नीमच जिला इकाई के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं उनकी टीम ने स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम दो सत्र मे सम्पन्न हुआ प्रथम सत्र प्रांतीय सम्मेलन ओर दुसरा प्रदेश कार्यसमिती बैठक के रूप मे हुआ जिसमे पूर्व की बैठक के निर्णय ओर आगामी विषयो पर चर्चा हुई बैठक मे कार्यवाह महासचिव सत्यनारायण वैष्णव ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कोषाध्यक्ष शिशुपाल सिंह तौमर ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कपिल सिंह चौहान एवं रिजवान अहमद ने किया आभार माना। समारोह के दौरान अतिथियो द्वारा श्रमजीवी बुलेटिन विशेषांक का विमोचन किया गया। प्रांतीय सम्मेलन के मुख्य समारोह के दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के संपादन मे निकाले गए श्रमजीव बुलेटिन विशेषांक का विमोचन अतिथियो के हाथ किया गया। नीमच जिला इकाई टीम के अथक प्रयासो से आयोजन भव्य ओर ऐतिहसिक रहा। नीमच की लाल माटी पर 30 वर्ष बाद आयोजित प्रांतीय सम्मेलन को लेकर नीमच जिला इकाई की पुरी टीम ने जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन कार्यक्रम के संयोजक कैलाश राठौर महासचिव चैनसिंह सोलंकी के नेतृत्व मे लगातार दो माह पूर्व से तैय्यारी मे लग कर आयोजन को सफल ओर ऐतिहसिक बनाया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	56	1823	2561
उडद	2	4350	4401
सोयाबीन	3900	4080	4551
गैहु	3888	2550	3220
चना	370	6101	6600
मसुर	180	5800	6100
धनिया	200	5099	6961
लहसुन	12800	7000	21500
मैथी	360	4850	6152
अलसी	1300	5570	6050
सरसो	186	4799	5389
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	62	10401	13510
प्याज	1855	1200	2700
कलोंजी	48	13000	19000
डॉलर	38	8000	10480
तिल्ली	110	10500	12320
मटरसुखी	37	5800	7000
असालीया	25	8000	10800

सामाजिक और धार्मिक आस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते समय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन के प्रथम सोमवार को मंदसौर के भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में प्रतिमा के मुख पर दरार को लेकर पूर्व विधायक और बीजेपी प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया द्वारा उठाए गए सवाल ने स्थानीय लोगों के बीच एक महत्वपूर्ण चर्चा को जन्म दिया है। सिसौदिया ने इस विषय पर अपनी चिंता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द पर व्यक्त की और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम से सलाह लेने का आग्रह किया।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंदिर प्रबंधक राहुल रूनवाल और पुजारी कैलाशचंद भट्ट ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया कि यह दरार वर्षों से विद्यमान है और इसमें कोई नया परिवर्तन नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिमा का नियमित रूप से आर्कियोलॉजिकल सर्वे होता है और यदि दरार में कोई समस्या होती तो उसे पहले ही ठीक कर दिया जाता। इस विवाद ने स्थानीय लोगों के बीच बहस छेड़ दी है, जिसमें सिसौदिया के वक्तव्य और मंदिर प्रबंधक व पुजारी के जवाब शामिल हैं। यह घटना धार्मिक आस्थाओं और संवेदनशील मुद्दों को संभालने में सावधानी बरतने की आवश्यकता को उजागर करती है, विशेषकर तब जब यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाता है। सिसौदिया की चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि धार्मिक स्थलों की देखभाल और संरक्षण महत्वपूर्ण है। ऐसे स्थानों का संरक्षण न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा भी है। मंदिर की प्रतिमा पर दरार का मुद्दा अगर सचाई में गंभीर है, तो इसका समाधान तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह और निरीक्षण के माध्यम से निकालना उचित होगा। हालांकि, मंदिर समिति के बयान को भी ध्यान में रखना आवश्यक है ताकि अफवाहें और अनावश्यक विवाद न फैलें। मंदिर प्रबंधक और पुजारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रतिमा की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और इसका नियमित निरीक्षण होता रहा है। इसलिए, मंदिर प्रशासन की बातों को भी गंभीरता से सुनना और समझना चाहिए। सामाजिक और धार्मिक आस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते समय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण है। सिसौदिया का सोशल मीडिया पर मुद्दा उठाना उनकी चिंता को दर्शाता है, लेकिन इसका समाधान बिना विशेषज्ञों की राय और मंदिर प्रशासन की सहभागिता के संभव नहीं है। इस मामले में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए, सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि मंदिर की संरचना और धार्मिक भावनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अंततः, यह घटना एक महत्वपूर्ण उदाहरण है कि धार्मिक स्थलों की देखभाल में पारदर्शिता, विशेषज्ञता और प्रशासनिक तत्परता कितनी महत्वपूर्ण होती है। धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम होता है। समाज के हर वर्ग को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए, ताकि हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षित रह सके।

–नेमीचंद राठौर, मंदसौर

मंदसौर में सुबह से घने बादल छाए

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले से इस बार मानसून रूठा हुआ है। लाख जतन करने के बाद भी इंद्र देव प्रसन्न नहीं हो रहे। इधर, मौसम जानकारों का कहना है कि प्रदेश में बारिश का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव है। आज प्रदेश के 36 जिलों में बारिश का अलर्ट है। रविवार को जिले के कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई। आज सुबह से घने बादल छाए हुए है। जिले के कुछ स्थानों पर आज (सोमवार) बारिश का अनुमान है। जिले में अब तक 8.59 इंच बारिश दर्ज की गई है।सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया- साइक्लोनिक सर्कुलेशन, लो प्रेशर एरिया, मानसून ट्रफ के साथ बंगाल की खाडी और अरब सागर की खाडी से नमी आने से बारिश की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी है। अगले कुछ दिन भारी बारिश होगी।

बारिश के लिए मेंढक-मेंढकी की शादी–रविवार की शाम को जिले में अच्छी बारिश की कामना के लिए स्थानीय लोगों ने मेंढक-मेंढकी की शादी का टोटका किया। इसके लिए बाकायदा बेंड बाजों के साथ बारात निकाली गई। वरमाला और फेरे हुए इसके बाद रिशेप्शन के तौर पर भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया। बाराती झूमते नाचते हुए बारिश के लिए इंद्र देव मे मनाते नजर आए।

उज्जैन में भगवान महाकाल की निकली पहली सवारी, मनमहेश रूप की एक झलक पाने उमड़े भक्त

उज्जैन, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्रावण मास में सोमवार को भगवान महाकाल की पहली सवारी निकल रही है। पांच किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर तीन घंटे तक भक्ति का उल्लास छा रहा है। देशभर से हजारों श्रद्धालु सवारी मार्ग पर चांदी की पालकी में विराजित भगवान महाकाल के मनमहेश रूप की एक झलक पाने के लिए उमड रहे हैं।

महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में पूजन के पश्चात शाम 4 बजे सवारी शुरु हुई, जो कोट मोहल्ला, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी होते हुए शाम 5.30 बजे मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंचेगी। यहां पुजारी शिप्रा जल से भगवान महाकाल का अभिषेक कर पूजा अर्चना करेंगे।

सवारी में सबसे आगे प्रतिनिधित्व करता चांदी का ध्वज–पूजन पश्चात सवारी रामानुजकोट, गणगौर दरवाजा, कार्तिक चौक, जगदीश मंदिर, ढाबारोड,

टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए शाम 7.15 बजे पुन: मंदिर पहुंचेगी। सवारी में सबसे आगे मंदिर का प्रतिनिधित्व करता चांदी का ध्वज रहेगा। पीछे पुलिस का अश्वरोही दल, पुलिस बैंड, सशस्त्र बल की टुकडी शामिल होगी।

सवारी में यह पहली बार हो रहा– भगवान महाकाल की सवारी में पहली बार दो एलईडी रथों को शामिल किया गया है। रथ की विशेषता यह है कि इसमें लाइव बाक्स रहेगा, जिससे निर्बाध रूप से लाइव प्रसारण होता रहेगा। एक रथ सवारी में सबसे आगे चलेगा, दूसरा रथ पीछे रहेगा। रविवार को अत्याधुनिक रथ महाकाल मंदिर कार्यालय पहुंचे।

पहली बार जनजातीय कलाकारों की प्रस्तुति–सवारी में पहली बार जनजातीय कलाकारों का दल प्रस्तुति दे रहा है। मुख्यमंत्री डा।मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सवारी में लोककलाकारों के दल को शामिल किया जा रहा है। अब तक सवारी में केवल नौ परंपरागत भजन मंडल व झांझ डमरू दल ही शामिल होते आए हैं। सोमवार को धार का भील जनजातीय भगोरिया नृत्य दल प्रस्तुति देगा। करीब पांच किलो मीटर लंबे सवारी मार्ग पर पांच ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। इससे पहले सवारी मार्ग पर करीब 60 फिक्स व डोम कैमरों से नजर रखी जाती थी। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब दोहरे सुरक्षा उपकरणों से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। महाकाल मंदिर के अलावा गोपाल मंदिर परिसर में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

निर्बाध आवागमन के लिए चौड़ा किया द्वार–ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रावण मास के दौरान एक माह आस्था का सैलाब उमड़ेगा। देशभर से हजारों भक्त भगवान महाकाल के दर्शन करने पहुंचेंगे। इस बार सोमवार के दिन से श्रावण की शुरुआत होने से पहले ही दिन करीब दो लाख श्रद्धालु दर्शन करने आएंगे। मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं।मंदिर के प्रशासनिक भवन के सामने स्थित प्रवेश द्वार को करीब तीस फीट चौड़ा किया गया है।

रतलाम के बैंड ने दी मनोहारी प्रस्तुति–मंदिर परिसर में प्रस्तुति देते रतलाम का बैंड।महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण मास की पूर्व संध्या पर रविवार को रतलाम जिले के ताल से आए बैंड ने मंदिर परिसर में मनहर प्रस्तुति दी। इससे पहले भी मंदिर में देश के विभिन्न शहरों के प्रसिद्ध बैंड प्रस्तुति दे चुके हैं।

अवकाशों से भरा अगस्त, अगले माह छुट्टियों की भरमार

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अगस्त के महीने में छुट्टियों की भरमार हैं। अगस्त में कई महत्वपूर्ण त्योहार पड रहे हैं जिसके कारण उन दिनों सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इसके साथ ही अगस्त के महीने में 4 रविवार (4 अगस्त, 11 अगस्त, 18 अगस्त और 25 अगस्त) व 3 शनिवार भी पड रहे हैं जिसके कारण कई सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। इसके साथ ही 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस है, 19 अगस्त को रक्षाबंधन है और 26 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व है। इनके अलावा 9 अगस्त को नागपंचमी, जनजातीय दिवस भी है। मध्यप्रदेश में इस दिन सरकारी कर्मचारियों को एच्छिक अवकाश की पात्रता होती है।

गुरुवार को पड रहा 15 अगस्त– इस बार 15 अगस्त गुरुवार के दिन पड रहा है। हालांकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उद्योग धंधे और बाजार में बंदी रहती है। लेकिन सरकारी कार्यालय में ध्वजारोहण को लेकर कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहती है। स्कूलों में भी झंडारोहण किया जाता है। लेकिन सरकारी दफ्तरों में आम लोगों का काम नहीं होता है।

रक्षाबंधन और जन्माष्टमी की भी छुट्टी अगस्त में–इसके अतिरिक्त 19 अगस्त को भाई बहन का पर्व रक्षाबंधन पड रहा है। जिसे धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है। जबकि 26 अगस्त को जन्माष्टमी है। इस अवसर पर भी सार्वजनिक अवकाश रहता है। जन्माष्टमी मंगलवार के दिन है। इसके साथ ही 9 अगस्त को नागपंचमी, जनजातीय दिवस भी है। इस दिन सरकारी कर्मचारियों को एच्छिक अवकाश की पात्रता होती है।

प्रेम विवाह करने के बाद एक वर्ष से रतलाम में रह रहा था पीड़ित, गमी होने पर आया था गांव...

मुल्तानपुरा में चली गोली, बच गया युवक

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की, सभी फरार

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर थाने के तहत मुल्तानपुरा गांव है। इस गांव में सोमवार दोपहर बाद गोलीचालन की घटना हुई। तीन आरोपियों ने मिलकर एक युवक पर फायरिंग की। हालांकि फायरिंग में युवक बच गया है। गोलीचालन के बाद तीनों युवक फरार हो गए हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। मामले में पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ प्रकरण भी दर्ज किया है।

मुल्तानपुरा चौकी प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय ने बताया कि युवक इसराईल पिता रफीक ढोल 38 वर्ष मुल्तानपुरा गांव में रहता है। एक वर्ष पूर्व इसराईल ने आफताब की बहन से प्रेम विवाह किया था तब से ही इनके बीच खटपट चल रही थी। युवक इसराईल प्रेम विवाह कर रतलाम में ही रहा था। एक वर्ष से वह रतलाम में शिफ्ट था। उसके परिवार में गमी होने के चलते तीन दिन पहले वह मुल्तानपुरा पहुंचा। शनिवार को आफताब पिता शमशुद्दीन टिल्लू एवं उसके भाई शाहरुख ने उसे चमकोमाईसीन देने की नियत से मुल्तानपुरा निवासी सोहेल पिता मुबारिक टॉटिया तीनों मुल्तानपुरा के साथ वाद-विवाद के बीच इसराईल पर कट्टे से फायरिंग की गई। फायरिंग में इसराईल हताहत नहीं हुआ है। गिरने से खरोंच आई है, लेकिन दहशत जरूर बन गई है। घटना की सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी सौराष्ट्रीय व अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे व पड़ताल की। इसके पूर्व तीनों आरोपी मौका पाकर फरार हो गए। चौकी प्रभारी सौराष्ट्रीय ने बताया कि गोलीचालन के आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में सभी के खिलाफ जानलेवा हमले के साथ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है।

सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई में सम्पन्न हुआ विद्यारंभ संस्कार

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर शिशु वाटिका के नव प्रवेशित भैया बहनों का विद्यारंभ संस्कार सम्राट यशोधर्मन सभागृह में संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलन, वन्दना, अतिथि परिचय, अतिथि स्वागत के पश्चात शिशु कक्षा के नन्हें नन्हें भैया/बहनों की सुन्दर प्रस्तुतियां हुईं।

माताओं ने अपने पाल्य के साथ एक सुंदर प्रस्तुति दी, शिशु राम की चंचलता सुंदरता को समर्पित मनोरम नृत्य विद्यालय की दीदी द्वारा प्रस्तुत किया गया, गुरुकुल शिक्षा पर श्रीराम सहित चारों भाइयों की गुरु दीक्षा से दीक्षांत को दर्शाती लघु नाटिका ने वर्तमान परिपेक्ष्य में शिशु मंदिरों की प्रासंगिकता को साकार किया। मुख्य अतिथि द्वारा भैया बहनों को शब्द आशीष प्रदान किया गया और कार्यक्रम लगभग 100 नवीन अभिभावकों की उपस्थिति के साथ बालाजी मंदिर पर पोथी एवं वेद पूजन के लिए अग्रसर हुआ। भैया बहन वेदों का शिरोधार्य कर यज्ञशाला तक पहुँचे जहाँ पूजन अर्चन एवं हवन के बाद हर नवांकुर को उनके माता पिता की गोद में बैठाकर ॐ एवं श्री के लेखन के साथ विद्यारंभ संस्कार किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिलीप सिंह डाबी (प्राचार्य,सी.एम.राइस स्कूल साबाखेड़ा व भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के शासकीय प्रतिनिधि), एवं अध्यक्ष के रूप में श्री प्रवीण उपाध्याय (अभिभावक प्रतिनिधि) उपस्थित रहे..सरस्वती शैक्षिक संस्थान से प्रबन्धक श्री सुनील शर्मा, सीबीएसई विद्यालय की प्राचार्य डॉ.सरोज प्रसाद, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, उप प्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड व समस्त आचार्य परिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कुपोषितों को गोद लेने... पेज 1 से जारी

की भूमिका निभाने में दिखावे के कार्यक्रम होना लाजिमी है।

गोद लेने वाला व्यक्ति वहन करेगा कुपोषितों का खर्चा–बता दें कि गोद लेने वाली स्नेह सरोकार योजना में यह तय किया गया था कि जो भी व्यक्ति कुपोषित बच्चे को गोद लेगा, उसका खर्चा वही वहन करेगा। बच्चों के आहार सहित सभी खर्चा उठाएगा। हालांकि यह योजना जनभागीदारी से है। किसी पर कोई प्रेशर नहीं है। योजना के तहत कुपोषित बच्चों को अफसर, बड़े कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी सहित उद्योगति व बड़े व्यवसायी गोद ले सकते थे। जिन्हें गोद लेकर उनके स्वास्थ्य की देखभाल करना थी। ऐसे में देखभाल कौन करें और खर्चा कौन करें, यही बात विद्यमान हो गई है। कोई भी बच्चों को गोद लेने के लिए आगे नहीं आ रहा है।

इनका कहना–पूर्व में स्नेह सरोकार योजना चलाई गई थी। जिसमें कुपोषितों को गोद लेना था। कोई भी गोद ले सकता है। हम तो तैयार हैं। आज भी अगर कोई गोद लेने आए तो आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से हम प्रक्रिया पूर्ण कर देंगे।

पीसी चौहान, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, मंदसौर

सावन सोमवार को आशुतोषमय... पेज 1 से जारी

आराधना की जाए, तो उसे मनवांछित फल प्राप्त होता है। वहीं सावन महीने में बेल पत्रों व पुष्पों की मांग बढ़ गई है। पूजन-अर्चन करने वाले श्रद्धालुओं ने एक महीने के लिए बुकिंग करा ली है। ऐसे लोगों ने रोजाना एक माह के लिए बेल पत्र, फूल, आंक व धतूरा लेने के लिए दुकान निर्धारित कर ली है।

अभिषेक का है महत्व–सावन में शिव अभिषेक का विशेष महत्व है। पंडितों के अनुसार पार्थिव शिवलिंग के पूजन से शिवजी का आशीर्वाद मिलता है। समुद्र मंथन में निकले विष का पान करने के बाद जलन को शांत करने शिवजी का जलाभिषेक किया गया था। यह विधि अपनाई जाती है। इसके साथ ही आंक व बिल्व पत्र चढ़ाने से अनिष्टग्रह की दशा भी शांत होती है। दूध में काले तिल से अभिषेक करने से चंद्र संबंधित कष्ट दूर होते हैं।

4 किलो 500 ग्राम अफीम के... पेज 1 से जारी

सवार था। कार के आगे ड्राईवर के समीप वाली सीट पर रखे पेचकस की मदद से स्कीम को खोला गया। जिसमें एक प्लास्टिक की थैली में रखी 4 किलो 500 ग्राम अफीम होना पाई गई। आरोपी बनाए गए संजय जैन यहां अफीम किससे लाया था और वह इसे कहां देने जा रहा था, इस संबंध में पुलिस की पूछताछ जारी है। मामले में उसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से एक दिन का रिमांड मिला। आज मंगलवार को उसे वापिस कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

एक बार फिर गरमाया पशुपतिनाथ... पेज 1 से जारी

हिंदुस्तान में ही नहीं विश्व में भी कहीं नहीं है। यह दुर्लभ है, इसके लिए जो भी कड़े कदम उठाए जाना चाहिए वो उठाना चाहिए।

विहिप ने दिया ज्ञापन–प्रतिमा शरण को लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने भी एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा है कि प्रतिमा शरण को लेकर मंदिर समिति का ध्यान नहीं है। भक्तों की भावनाएं आहत हो रही है। मंदिर का क्षरण रोककर उसमें सुधार किया जाए। इस दौरान गुरुचरण बग्गा, हेमंत बुलचंदानी, कन्हैयालाल सोनगरा आदि मौजूद थे।

इनका कहना–वर्तमान में जो फोटो प्रतिमा का वायरल हुआ है। जिसमें दरार नजर आ रही है। यह दरार सालों से यथावत है। विगत कई साल से इसे देखा जा रहा है। समय समय पर विशेषज्ञों से राय लेकर इस पर काम भी किया गया।

राहुल रुनवाल, प्रबंधक, पशुपतिनाथ मंदिर समिति

करीब छह सौ सालों तक प्रतिमा शिवना नदी में रही। रेत और पानी से हो सकता है प्रतिमा को नुकसान हुआ। मैं कई सालों से यहां सेवा पूजा कर रहा हूं। ऊपर के मुख में दरार इसी प्रकार होकर यथावत है। नीचे के मुखों पर क्षरण के बाद लेपन किया गया था।

कैलाशचंद्र भट्ट, पूजारी, पशुपतिनाथ मंदिर

मीरा के साथ धराया हैदर

विहिप नेता के करीबी निकले धमकी देने वाले, पब्लिसिटी स्टंट के लिए प्लानींग की आशंका

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी के घर पर बुर्का पहनकर जान से मारने की धमकी भरा पत्र देने वाली महिला और उसके साथी युवक को पुलिस ने 1530 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद पकड़ लिया है। आरोपी विहिप नेता के ही साथी की निकले, इसलिए अब मामला संदेहास्पद लग गया है। आशंका है कि पब्लिसीटी स्टंट के लिए यह पूरी योजना बनाई गई थी। हालांकि अभी पुलिस पूरे मामले की जांच में लगी है। तुकोगंज टीआई जितेंद्र सिंह यादव के अनुसार पकड़ाए आरोपी छोटा बांगड़दा में रहने वाली मीरा पति सतीष कदम और उसका साथी छोटू बागवान हैं। टीआई ने बताया कि इलाके में रहने वाले विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी संतोष शर्मा के आवास पर 12 जुलाई को एक पत्र के मार्फत धमकी दी गई थी। गार्ड ने बताया था कि कोई बुर्के वाली महिला थी, जो पत्र देकर गई थी। इसके बाद से पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने पूरे रूट के करीबन 1530 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस खंगाले। तब पता चला कि महिला एक ऑटो में बैठकर आई थी, जो बड़ा गणपति पर उतरी थी। उस ऑटो पर भी फैज लिखा था।

घटनाक्रम पब्लिसिटी के लिए किया गया–पुलिस ने ऑटो ड्राइवर को पकड़कर सख्ती की, लेकिन उसने कहा कि वह महिला को नहीं जानता। इसके बाद पुलिस ने महिला के दूसरे ट्रैक को भी खंगाला, तब उसे पकड़ा गया। पुलिस का कहना है कि छोटू बागवान विहिप नेता संतोष के साथ काम करता है। जबकि मीरा कदम भी उन्हें जानती है। शर्मा के साथ घर वापसी अभियान में मदद भी कर रही थी। पिछले दिनों खजराना में घर वापसी अभियान में भी वह मंदिर में दिखी थी। उधर पुलिस का कहना है कि अभी आरोपी कुछ भी कबूल नहीं रहे हैं। मीरा का कहना है कि उसे छोटू ने पत्र दिया था, जबकि छोटू उससे मुकर रहा है। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर रही है। अभी यह माना जा रहा है कि यह घटनाक्रम पब्लिसिटी के लिए किया गया है।

नपा की बैठक के पूर्व फाईलें टटोली

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज नगरपालिका परिषद की बैठक आहुत होगी। इसके पूर्व बैठक में रखे गए एजेंडे को पार्षदों ने पढ़ा है। सोमवार को अनेक पार्षद लोक निर्माण सभापति के कक्ष में पहुंचे। यहां कांग्रेस पार्षद एवं उनके प्रतिनिधियों ने फाईलों का अवलोकन किया। एजेंडे के अनुसार फाईल देखी।

गोयल परिवार द्वारा माता पिता की स्मृति में मुक्तिधाम में ...

अस्थि कलश संचय हेतु लाकर अलमारी की भेट

पिपलियामंडी, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर के समाज सेवी गोयल परिवार द्वारा अपने माता पिता की स्मृति में लाकर अलमारी पिपलिया पंथ स्थित मुक्तीधाम में भेट की स्वर्गीय ओम प्रकाश जी गोयल व स्वर्गीय शकुंतला देवी गोयल की स्मृति में उनके पुत्र मनीष कुमार गोयल द्वारा 12 लाकर की भेंट की। इस अवसर पर गोयल परिवार के सुभाष गोयल, राजेंद्र गोयल, संतोष गोयल, कमल अग्रवाल, लक्की अग्रवाल तरुण अग्रवाल, नप के उपाध्यक्ष भारत सिह सोनिगरा उपाध्यक्ष मनोहर काबरा, सरफराज मेव, भरत जोशी, अनिल पाठक सहित गोयल परिवार की माताये बहने भी मौजूद। मुक्ति धाम संस्था के सदस्य हरीप्रसाद गेहलोद ने इस कार्य हेतु गोयल परिवार का आभार व्यक्त किया

रहवासियों ने नपा अध्यक्ष को दिया ज्ञापन, बताया खुले नाले से चोटिल हो रहे लोग...

नाके से लालघाटी जाने वाले रास्ते का मुख्य हिस्सा जर्जर

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। संजीत नाके से लालघाटी तक जाने वाले रास्ते में मुख्य मार्ग यानी नाके से थोड़ी दूर वाले भाग की सड़क जर्जर अवस्था में है। इसे ठीक करने में कोई ध्यान नहीं दे रहा है। पूर्व में लालघाटी जाने वाली सड़क बनने की स्थिति में थी। तब भी यहां सड़क खोदकर उसे उसी अवस्था में छोड़ा गया था। महीनों बाद सड़क तो बन गई, लेकिन संजीत नाके से कुछ दूरी तक की सड़क जर्जर हालत में ही है। ऐसी स्थिति में इस सड़क को कौन बनाएगा, यह भी समझ से परे है। सोमवार को स्थानीय रहवासियों का एक समूह नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर से मिला। जिन्होंने एक ज्ञापन इस संबंध में उन्हें सौंपा। बताया कि इस मार्ग पर नाला भी खुला हुआ है, जिससे लोग चोटिल हो रहे हैं। आए दिन कुछ न कुछ घटना होती रहती है। सड़क बनवाकर नाला को भी ढंका जाए तथा नाला पूर्ण कराया जाए।

नगर में अवर्षा के हालत देखते हुए नपा सभागार में आपात बैठक आज

सभी व्यापारिक संगठन, समाज जन, नगरवासी बैठक में सम्मिलित हों

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर में अवर्षा की गंभीरतम स्थिति को देखते हुए चिंताएं गहरा रही है। इस बार मंदसौर नगर में जुलाई माह के अंतिम सप्ताह तक मामूली वर्षा हुई है। सब दूर ओर आसपास भी पानी बरस रहा है लेकिन हमारा नगर वर्षा के लिए तरस रहा है।यह बडी ही भयावह स्थिति है यदि शीघ्र ओर व्यापक वर्षा नहीं हुई तो नगर में पानी के लिए हाहाकार मच जाएगा।

इस अति गंभीर स्थिति को देखते हुए नगर पालिका, नगर के सभी गणमान्य जनों, व्यापारिक संगठनों सर्व समाज, संगठन और संस्थाओं की एक आपात बैठक 23 जुलाई मंगलवार को शाम 5 बजे नपा सभागार गांधी चौराहे पर आयोजित की गई है जिसमें प्रभावी रूप से उज्ञैनी मनाने पर विचार किया जाएगा। इस विकट परिस्थिति में हम सभी को एक जुट हो कर प्रभावी रूप में उज्ञैनी मनाने पर विचार करना है। नगर के सभी गणमान्य जनों, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संगठनों समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होवे।

कालाभाटा-रामघाट सूखा है... पेज 1 से जारी

नपा द्वारा सप्लाई किया जाता था। लेकिन, अब लगातार बढ़ रहे नल कनेक्शन और पानी की मांग के चलते वर्तमान में नपा द्वारा रामघाट से प्रतिदिन करीब 32 लाख गैलन पानी की नगर में सप्लाई होती है। नगर में 26 हजार से अधिक नल कनेक्शन हैं।

कुंओं और नलकूपों से भी हो रहा वितरण–शहर में प्रतिदिन 32 एमएलडी पानी सप्लाई होता है। इसमें से 22 एमएलडी रामघाट फिल्टर प्लांट से और 10 एमएलडी पानी शहरभर के करीब 100 कुओं व नलकूपों से लिया जाता है। प्रतिदिन की सप्लाई में 18 एमएलडी पानी चंबल का लिया जाता है व 10 एमएलडी कुओ-नलकूपों व चार एमएलडी पानी ही शिवना से खर्च हो रहा है। शिवना से इतना कम पानी सप्लाई में लिया जा रहा है तो फिर रामघाट बैराज पर इतना पानी क्यों कम गया है इसका जवाब किसी के पास नहीं।

आयेंगे भौले भक्तों के द्वार..

मनासा, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अपने नगर की जनता का हाल जानने 5अगस्त को निकलेंगे भगवान मंशा पुर्ण महादेव प्रतिवर्षनुसा इस वर्ष भी मनासा के महाँकाल मंशापूर्ण महादेव की विशाल शाही सवारी श्रावण माह के तीसरे सोमवार दिनांक 5 अगस्त 2024 को मंशापूर्ण मंदिर से मन्दिर से दोपहर 3:15बजे शाही सवारी, दिव्य रथ पर सवार ✻मंशापूर्णमहादेव✻ ढोल, डीजे, नगाडों ,स्वागंधारी,और ताशापाट्री के साथ प्रारंभ होगी जो मनासा नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए पुन: मंदिर पहुंचेगी जहां पर महाआरती के पश्चात महाप्रशादी प्रारम्भ होगा सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से निवेदन हे कि शाही सवारी में पधारे ओर अपनी मनौकामना पुर्ण करे एव प्रसादी पावन कर भगवान मंशापूर्ण महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करे। विदित.हो..रविवार 4अगस्त को शाम को भक्त मंडल द्वारा नगर को निमत्रण हेतु विशाल वाहन भी.रेली निकाली जावेगी।

बाइक डिवाइडर से टकराई, दो घायल

नीमच, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले भगवानपुरा चौराहे के समीप रविवार देर रात एक सड? हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें तत्काल राहगीरों ने निजी वाहन की सहायता से नीमच जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी अनुसार, नीमच सिटी के यादव मंडी निवासी विष्णु पिता अशोक यादव उम्र 28 साल ओर अभिषेक पिता प्रेमचंद यादव उम्र 25 साल दोनों युवक बाइक पर सवार होकर पीजी कॉलेज की ओर से डाक बंगले की ओर जा रहे थे। इसी दौरान भगवानपुरा चौराहे के समीप उनकी बाइक संभवत: असंतुलित होकर डिवाइडर में जा घुसी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई।घटना की जानकारी मिलते घायलों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। जहां राहगीरों के मदद से दोनों घायलों को निजी वाहन से नीमच जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधार और मौके पर जमा भीड़ को हटाया फिलहाल दोनों घायलों का नीमच जिला चिकित्सालय में इलाज जारी है।

केंद्र ने हटाया बैन, अब आरएसएस के कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे सरकारी कर्मचारी

नई दिल्ली, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने एक आदेश जारी करते हुए सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है।कांग्रेस इसे लेकर बीजेपी पर लगातार हमला भी करती रही है। कांग्रेस ने आज रविवार को केंद्र सरकार की ओर से जारी उस फैसले की तीखी आलोचना की है। जिसमें आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने को लेकर 6 दशक पुरानी पाबंदी को हटा दिया गया है। इस आदेश के बाद अब सरकारी कर्मचारी भी आरएसएस

के कार्यक्रम में सहभागी हो सकेंगे।

इससे पहले की केंद्र सरकारों की ओर से साल 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में संशोधन किया गया है, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं तथा अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों पर कडे दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे। पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी लोगों के आरएसएस के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी।

इसको लेकर कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया ट्विटर एक्स पर सरकार की ओर से जारी आदेश के साथ आलोचना करते हुए कहा, 'सरदार पटेल ने महात्मा गांधी की हत्या के बाद फरवरी 1948 में आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि इसके बाद संघ की ओर से अच्छे व्यवहार के आश्वासन पर प्रतिबंध हटा लिया गया। इसके बाद भी आरएसएस ने नागपुर में कभी तिरंगा नहीं फहराया गया।

उन्होंने आगे कहा, 'साल 1966 में, सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।और यह फैसला सही भी था। लेकिन 4 जून 2024 के बाद, पीएम मोदी और आरएसएस के बीच संबंधों में गिरावट देखी जा रही है। इस बीच 9 जुलाई 2024 को मोदी सरकार ने 58 साल के बैन को हटा दिया। जबकि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी यह बैन लागू था। मुझे लगता है कि अब नौकरशाही भी दबाव में आ सकती है।

आज नपा परिषद की बैठक होगी

मंदसौर, 22 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में आज दिनांक 23 जुलाई मंगलवार को दोपहर 1 बजे नगरपालिका सभागृह में नपा परिषद की बैठक आयोजित होने जा रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि इस बैठक में परिषद के विचारार्थ 14 प्रकरण रखे गये है। सभी पार्षदगणों को बैठक की कार्यसूची (एजेण्डा) भेजा गया है। सभी पार्षदगणों से आग्रह है कि वे इस बैठक में नियत समय पर शामिल होवे।

✻✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शोभाराम पिता परमानंदजी कुमावत निवासी नयागांव, नरसिंहपुरा, मंदसौर के स्वामित्व व आधिपत्य का मकान क्रमांक 76, नयागांव, नरसिंहपुरा मंदसौर में स्थित है। उक्त मकान पर शोभाराम द्वारा इण्डसइण्ड बैंक मंदसौर से ऋण प्राप्त किया जा रहा है। यदि किसी भी व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह तीन दिवस के भीतर मुझे सूचित करें। तीन दिवस पश्चात किसी भी व्यक्ति की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगा। सो सूचित हो।

सूचनाकर्ता
दिनांक-23.07.2024
शोभाराम पिता परमानंदजी कुमावत
स्थान-मंदसौर
निवासी नयागांव, नरसिंहपुरा, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in